वर्ष-14 - अंक 132
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार,21 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

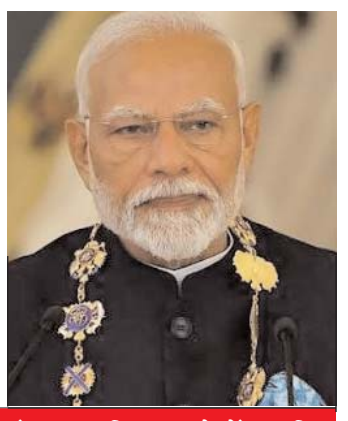

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एसबीआई अफसर ने पत्नी और बहन की हत्या के बाद खुद..... 3

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन..... 4

प्रधान शिक्षक की कथित अनियमित उपस्थिति से शर्माफा बस्ती एलपी..... 08

सीएम हिमंता सरमा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

असम बाढ़ राहत और पुनर्निर्माण का रोडमैप साझा किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच असम में बाढ़ की स्थिति, राहत एवं पुनर्वास कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बाढ़ राहत अभियान के बाद राज्य में किए जाने वाले अगले चरण के कार्यों की जानकारी दी और प्रभावित लोगों की आजीविका बहाल करने के लिए सरकार की कार्ययोजना साझा की। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री से मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि असम में बाढ़ राहत अभियान के दौरान प्रधानमंत्री लगातार राज्य सरकार के संपर्क में रहे और स्थिति की बारीकी से समीक्षा करते हुए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराते रहे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ

असम में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के लिए आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राहत कार्य के बाद अब प्रभावित इलाकों के पुनर्निर्माण, लोगों की आजीविका बहाल करने और व्यापक सुधार की दिशा में काम किया जाएगा। सरमा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ अगले चरण का रोडमैप साझा किया है। इसमें बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को फिर से मजबूत करना, प्रभावित परिवारों को सामान्य जीवन की ओर लौटने में सहायता देना तथा आजीविका के साधनों को बहाल करना प्रमुख रूप से शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अभियान को उसके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से लगातार सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति के दौरान केंद्र सरकार ने राज्य को आवश्यक सहयोग दिया। प्रधानमंत्री स्वयं स्थिति की निगरानी करते रहे और राज्य सरकार से लगातार संपर्क में रहे। इससे राहत और बचाव कार्यों को गति देने में मदद मिली। सरमा ने कहा कि असम के सामने बाढ़ एक बड़ी चुनौती है और इससे निपटने के लिए तत्काल राहत के साथ-साथ दीर्घकालिक समाधान की भी जरूरत है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और भविष्य में आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को असम की एनडीए 3.0 सरकार के पहले 100 दिनों में किए गए प्रमुख कार्यों और पहलों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनता से मिले जनादेश के अनुरूप विकास और कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और आगामी योजनाओं से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य असम में विकास की गति को तेज करने के साथ-साथ आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से एनडीए 3.0 सरकार के 100 दिनों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए महिला सशक्तीकरण को अपनी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल बताया था। उन्होंने कहा कि असम की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली योजनाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि राज्य की बेटियां स्वस्थ, आत्मविश्वासी और अपने सपनों को पूरा करने के लिए सक्षम बनें। महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

यूएई की कंपनियां राजस्थान के हॉस्पिटिलिटी सेक्टर में निवेश करने को इच्छुक

जयपुर(एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर के रामबाग पैलेस होटल में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी के साथ यूएई-राजस्थान टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट राउंड टेबल बैठक में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने यूएई को राजस्थान में ऊर्जा, हॉस्पिटिलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किले, महल, हवेलियों, रेगिस्तान, अभ्यारण्य, जेम्स एंड ज्वेलरी, हैंडिक्राफ्ट, टैक्सटाइल्स, खनिज से समृद्ध राजस्थान में यूएई की कंपनियों के लिए निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान में निवेश के लिए प्रदेश सरकार हर संभव सहयोग करेगी। यहां निवेश करने पर केवल फायदा ही होगा, नुकसान नहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण के लिए राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस सहित कई नीतियां लागू की हैं। आज ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। वहीं, प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के मूल मंत्र के अनुरूप हमारी सरकार ने शेखावाटी की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण के लिए भी चिन्हित किया है। मुख्यमंत्री ने यूएई नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि खाड़ी संकट के दौरान यूएई ने भारतीय समुदाय की सुरक्षा और आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई नेतृत्व के

रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मई 2026 में यूएई की यात्रा ने इस साझेदारी को नई गति दी है। दोनों देशों के बीच पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार लगातार 100 अरब डॉलर से अधिक रहा है। उन्होंने कहा कि यूएई में रहने वाले करीब 45 लाख भारतीय दोनों देशों के बीच एक मजबूत पुल हैं। इसमें राजस्थान के भी बहुत से प्रवासी शामिल हैं। यूएई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के रिश्ते बेहद खास हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और यूएई के मध्य कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी ने भारत के प्रति अपने लगाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां के व्यंजन अद्भुत हैं, विशेषकर राजस्थान की काजूकतली। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटिलिटी का राजस्थान की तरह ही यूएई में बड़ा योगदान है। यूएई की कंपनियां राजस्थान के हॉस्पिटिलिटी में निवेश करने को इच्छुक हैं। साथ ही, हम जयपुर और दुबई के बीच हवाई सेवाओं को और बेहतर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यूएई-राजस्थान टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट राउंड टेबल बैठक भारत और यूएई के बीच साझेदारी को और अधिक मजबूत करेगा। इस दौरान यूएई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री ने मुख्यमंत्री को दुबई यात्रा के लिए आमंत्रित भी किया। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पर्यटन शासन सचिव शुचि त्यागी, रोटाना होटल ग्रुप के मुख्य रणनीति एवं संपत्ति अधिकारी आमना अल नोवैस, जेए रिसॉर्ट्स एंड होटल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राल्फ पोर्सियानी, धामानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अमित धामानी, लैंडमार्क ग्रुप के सिटीमैक्स होटल्स एंड फूडमार्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राज राणा, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के राजस्थान स्टोर हेड सोनू जालम सहित यूएई राजस्थान के हॉस्पिटिलिटी क्षेत्र के प्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

भारतीय कॉलेज छात्रों के लिए गूगल का बड़ा तोहफा, एक साल तक मुफ्त मिलेगा 'एआई प्लस' प्लान

नई दिल्ली । अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने भारत के कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने पात्र कॉलेज छात्रों को एक वर्ष के लिए मुफ्त 'एआई प्लस' सब्सक्रिप्शन देने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई, शोध और कौशल विकास के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। गूगल ने अपने आधिकारिक ब्लॉग में बताया कि इस विशेष ऑफर के तहत पात्र विद्यार्थियों को जेमिनी ओमनी का उपयोग करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में दोगुनी उपयोग सीमा, 400 जीबी क्लाउड स्टोरेज क्षमता और कई अतिरिक्त एआई सुविधाएं बिना किसी शुल्क के एक वर्ष तक उपलब्ध कराई जाएंगी। कंपनी ने छात्रों के लिए गूगल एआई प्रो और यूट्यूब प्रीमियम का एक विशेष रियायती पैकेज भी पेश किया है, जिसके तहत विद्यार्थी विज्ञापन-मुक्त संगीत और वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाओं का लाभ उठाते हुए लगभग 70 प्रतिशत तक की बचत कर सकेंगे।

एनसीबी ने गांधीनगर मेफेड्रोन तस्करी मामले में 2 ड्रग तस्करों को दोषी ठहराया

गांधीनगर। गांधीनगर की जिला और सत्र अदालत ने गुरुवार को मेफेड्रोन की तस्करी के मामले में 2 लोगों को दोषी करार दिया। एनसीबी की अहमदाबाद जोनल यूनिट द्वारा जांचे गए इस मामले में कोर्ट ने शाहिदा बीबी उर्फ सईदा बी और राधेश्याम सोलंकी को दोषी ठहराया। दोनों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस चला था। एनसीबी को गुप्त सूचना मिली थी कि मध्य प्रदेश से गुजरात में नशे की तस्करी हो रही है। इसी जानकारी के आधार पर एनसीबी के अधिकारियों ने 21 फरवरी 2023 को गांधीनगर में एनएच-48 पर चंद्राला पुलिस नाका पर अशोक ट्रेवल्स की एक बस को रोका। यह बस मध्य प्रदेश के जावरा-मंदसौर से अहमदाबाद आ रही थी। तलाशी के दौरान बस में सफर कर रहे शाहिदा बीबी और राधेश्याम सोलंकी से 198.90 ग्राम मेफेड्रोन बरामद हुआ। मेफेड्रोन एक प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक पदार्थ है। एनसीबी की जांच में सामने आया कि दोनों राज्य की सीमा पार कर व्यावसायिक मात्रा में नशे को अवैध बिक्री के लिए ले जा रहे थे एजेंसी के मुताबिक शाहिदा बीबी अहमदाबाद शहर में मेफेड्रोन की अवैध तस्करी और बिक्री में शामिल थी।

भारत-जापान के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर समझौता

नई दिल्ली(एजेंसी)। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत और जापान ने रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति जताई है। 20 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग से जुड़े व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारत और जापान के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक ढांचा उपलब्ध कराएगा। बैठक में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच रक्षा सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, नौसेना सहयोग, रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी, सैन्य अभ्यास और रक्षा उद्योग के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग को मजबूत किया जाएगा। इसमें समुद्री क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को साझा करने और समुद्री गतिविधियों के संबंध में बेहतर समन्वय विकसित करने पर जोर रहेगा। दोनों रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के महत्वपूर्ण आधारों में से एक है। दोनों पक्षों ने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति को लेकर अपने-अपने आकलन साझा किए। उन्होंने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता तथा सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया। दोनों देशों ने बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास के खिलाफ अपना रुख दोहराया। साथ ही खोज एवं बचाव अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। भारत और जापान समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे। इसके अलावा संयुक्त सैन्य अभ्यासों, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को भी विस्तार दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच बंदरगाहों के इस्तेमाल के साथ-साथ रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के उपयोग में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। नौसैनिक जहाज निर्माण के क्षेत्र में भी दोनों पक्षों ने सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। भारत और जापान ने नौसैनिक जहाजों के संयुक्त विकास और डिजाइन की संभावनाएं तलाशने पर सहमति जताई है। इसके तहत जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है।

युवा पीढ़ी विकास चाहती है, झूठा प्रचार नहीं: हरजोत सिंह बैंस

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने स्कूल के 'फर्जी' वीडियो को लेकर भाजपा की आलोचना की और कहा कि आज की पीढ़ी (जेन-जी) विकास चाहती है, झूठा प्रचार नहीं। हरजोत सिंह बैंस ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें पंजाब के एक सरकारी स्कूल के शौचालयों की हालत दिखाई गई है। इस वीडियो की फैक्ट-चेकिंग भी की गई है और यह यूट्यूब पर उपलब्ध है, जोकि साल 2018 का है।' बैंस ने बताया कि यह वीडियो दो दिन पहले पोस?ट किया गया था। अगर स्कूलों में कोई कमी या अव्यवस्था पता लगती है तो हम ठीक करने का प्रयास करते हैं। ये वीडियो देखकर मैं स्तब्ध रह गया। इसके बाद बिना किसी पूर्व सूचना के स्कूल का निरीक्षण किया। मैं देखना चाहता था कि क्या सच में स्कूल का हालात दिखाए गए वीडियो जैसा है। अगर यह सच है तो इसकी जानकारी हमारे पास यानी सरकार तक कैसे नहीं पहुंची। इसके लिए जिम्मेदार कौन लोग हैं। उन्होंने कहा कि जब जमीनी हकीकत देखी तो स्कूल में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं दिखाई दी। शौचालय व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा है। स्कूल में स्वच्छ पेयजल, वाईफाई की सुविधा और साफ-सफाई दिखाई दी। सेनेटरी पैड और डिस्पोजल मशीन तक वर्किंग पाई गई है।

1984 दंगों के दोषी पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। 1984 सिख विरोधी दंगा केस में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 14 दिसंबर 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। सज्जन कुमार को 27 अप्रैल 2022 को दंगों से संबंधित एक केस में जमानत मिली थी लेकिन दूसरे मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण वे जेल में ही बंद रहे। वे सात वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद थे। इस वर्ष

अप्रैल के महीने में उन्होंने अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मांगी थी लेकिन न्यायालय की ओर से उनको जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत की ओर से बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। पहली एफआईआर जनकपुरी में एक नवंबर 1984 को सरदार सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से जुड़ी थी। दूसरी एफआईआर जनकपुरी में 2 नवंबर 1984 को सरदार गुरचरण सिंह को जिंदा जलाकर मार डालने की वारदात के लिए दर्ज की गई थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे; उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

जवाहर कला केंद्र में 21 अगस्त से सजेगा फोटोग्राफी का महाकुंभ

जयपुर(एजेंसी)। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में 'नजर फोटो एवं पेंटिंग एग्जीबिशन' के पांचवें सीजन का आयोजन 21 से 23 अगस्त तक किया जाएगा। तीन दिवसीय यह आयोजन जवाहर कला केंद्र में होगा, जिसे जयपुर के प्रमुख फोटोग्राफी आयोजनों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा शुक्रवार को सुबह 11 बजे करेंगे। प्रदर्शनी में देश-विदेश के साथ राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े फोटोग्राफर्स अपनी चुनिंदा तस्वीरें प्रदर्शित करेंगे। खास बात यह है कि इस आयोजन

में फोटोग्राफी के साथ पेंटिंग को भी प्रमुख स्थान दिया गया है, जिससे कला की विभिन्न विधाओं का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। प्रदर्शनी में जयपुर एवं राजस्थान के जाने-माने फोटो जर्नलिस्ट, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, विद्यार्थी तथा पेंटिंग आर्टिस्ट भी भाग ले रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा खींची गई तस्वीरें भी दर्शकों के लिए प्रदर्शित की जाएंगी। देश-विदेश के विभिन्न स्थानों की खूबसूरत और अनूठी तस्वीरों के साथ कलाकारों की पेंटिंग्स दर्शकों को कला और फोटोग्राफी की विविधता से रूबरू कराएंगी। कुमावत ने बताया कि यह ऐसा साझा मंच है, जहां फोटोग्राफर्स, फोटो जर्नलिस्ट और पेंटिंग आर्टिस्ट एक साथ अपनी कला को लोगों के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। इसका उद्देश्य फोटोग्राफी और चित्रकला से जुड़े कलाकारों को एक मंच उपलब्ध कराने के साथ आमजन को बेहतरीन कला का अनुभव कराना है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। तीनों दिन दर्शकों के लिए विभिन्न गतिविधियों के साथ ढेरों इनाम जीतने के अवसर भी उपलब्ध होंगे। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित यह तीन दिवसीय आयोजन जयपुर में फोटोग्राफी, कला और रचनात्मकता के विविध रंगों को एक मंच पर प्रस्तुत करेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोष्ठी कर किया याद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस जनो नै गोष्ठी कर उनको याद किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा ने कहा कि देश की जनता राजीव गांधी को कभी भूल नहीं पाएगी उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं के लिए नई-नई योजनाएं लाने तथा कंप्यूटर को देश में लाकर एक नई क्रांति फैलाने का कार्य किया है। आरटीआई सेल के प्रदेश सचिव रजनीश मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश की प्रगति में अपना पूरा योगदान देते हुए देश को आगे बढ़ाया उन्होंने देश के लिए ही अपनी जान तक गवा दी ।उन्हें कभी

भी भूला नहीं जा सकता । गोष्ठी में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने शिरकत कर स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए देश के विकास, आधुनिक तकनीक, संचार क्रांति और युवाओं के लिए किए गए उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। नगर के पूर्व नगर अध्यक्ष रमेश चंद गौड़ ने कहा ने कि राजीव गांधी ने भारत को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। गोष्ठी में मौजूद लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और देशहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान राजीव गांधी के विचारों एवं योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद सिंह अधिवक्ता पवन कुमार मिश्रा सुशील शुक्ला कमल शुक्ला गौरव सेठ शहीद कई कांग्रेस जन मौजूद रहे।

सोनिया गांधी की आने वाली किताब को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी की आने वाली किताब का स्वागत किया लेकिन साथ ही यह शर्त भी रखी कि किताब में किए गए खुलासे साफ-साफ हों और सच्चाई को दर्शाते हों। भाजपा नेता राम कदम ने किताब लॉन्च पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि कांग्रेस नेता अपनी किताब में सच लिखें, जैसे कि उस समय के प्रधानमंत्री एक कठपुतली की तरह काम करते थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2004-2014 के कार्यकाल का जिक्र किया। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी की जिंदगी और करियर में सहे गए दर्द और देश को एकजुट रखने में उनके योगदान का जिक्र किया। किताब के प्रकाशक ने घोषणा की है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब, 'बिनालॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी। खबरों के मुताबिक, यह किताब वरिष्ठ कांग्रेस नेता के इटली के एक छोटे से शहर से भारतीय राजनीति में सत्ता के ऊंचे पद तक पहुंचने के सफर दिखाएगी। साथ ही, इसमें उस प्यार, दुख और राजनीतिक जिम्मेदारी का भी जिक्र है जिसने उनकी जिंदगी को आकार दिया। भाजपा नेता राम कदम ने आईएएनएस से कहा, 'मैं सोनिया गांधी को उनकी आने वाली किताब-जो एक आत्मकथा है, उनके लिए शुभकामनाएं देता हूं। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि वह इसमें सच भी लिखें कि उनके कार्यकाल के दौरान, प्रधानमंत्री एक कठपुतली की तरह काम करते थे और रिमोट कंट्रोल 10 जनपथ (सोनिया गांधी का घर) से चलता था।

संक्षिप्त खबरें

रामनगर में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

रामलक्षन, देवरिया। गौरीबाजार विकासखंड क्षेत्र के ग्राम सभा रामनगर में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान महेंद्र निषाद ने फीता काटकर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कबड्डी हमारे माटी की बहुत पुरानी खेल है और इस खेल से तमाम प्रतिभाएं उभरी और अपने परिवार क्षेत्र राज्य का नाम ऊंचा किया इतना ही नहीं कुछ प्रतिभाएं वीतें बर्षों में सरकारी नौकरियों में भी अपना मुकाम बनाया है। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला सोनबरसा और सीहोर चक की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। कड़े मुकाबले में सीहोर चक की टीम ने सोनबरसा को एक अंक से हराकर जीत दर्ज की।इस दौरान प्रतियोगिता कमेटी के सदस्य राम विकास, विपुल विश्वकर्मा, आकाश गुप्ता, प्रिंस, मिथिलेश, साहिल, निरंजन निषाद, पिंटू निषाद, अभिषेक निषाद, सोहित शुक्ला, परमवीर प्रजापति सहित क्षेत्रीय गणमान्य मौजूद रहे।प्रतियोगिता को लेकर स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

ख़जनी क्षेत्र परसौनी में पुलिस की चौपाल, अपराध पर अंकुश को लेकर ग्रामीणों से किया संवाद

खजनी, गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा परसौनी में गुरुवार को पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में आम जनमानस के बीच ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में क्षेत्राधिकारी खजनी दीपांशी राठौर तथा अपराध निरीक्षक डीएन सरोज ने ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि गांव में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में ग्रामीणों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। आपसी विवादों को बढ़ाने के बजाय समय रहते पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। चौपाल के दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साइबर अपराध, ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों से बचाव के उपाय बताए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उनके निस्तारण का भरोसा दिलाया। क्षेत्राधिकारी दीपांशी राठौर ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करना है। गांव-गांव चौपाल के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच संवाद को मजबूत किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

छात्र आंदोलन के बाद प्रशासन गंभीर, डीएम-एसपी ने सुनीं समस्याएं

डीएम-एसपी ने नवोदय विद्यालय में सुनीं छात्रों की समस्याएं, बच्चों के साथ भोजन भी परखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। छात्रों की समस्याओं को लेकर प्रशासन गंभीर हो गया है। बुधवार को हुए छात्र आंदोलन के बाद गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने फतेहपुर चौरासी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का दौरा किया। अधिकारियों ने छात्रों से सीधा संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डीएम और एसपी ने छात्रों से उनकी पढ़ाई, रहने की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

अधिकारियों ने छात्रों को अपनी समस्याओं को खुलकर बताने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके। अधिकारियों ने विद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया और छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने छात्रों के साथ बैठकर मेस में भोजन भी किया। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से भोजन, साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। विद्यालय प्रबंधन को छात्रों की मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि बुधवार को हसनगंज क्षेत्र के न्योतनी स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के छात्र अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सड़क पर उतर आए थे। बड़ी संख्या में छात्रों के विरोध प्रदर्शन से प्रशासन में हड़कंप मच गया था। छात्रों ने विद्यालय की अव्यवस्थाओं और अपनी मांगों को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत कर स्थिति को संभाला था। छात्र आंदोलन के ठीक अगले दिन डीएम और एसपी का विद्यालय पहुंचकर छात्रों से संवाद करना प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने छात्रों की शिकायतों को सुना और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया। माना जा रहा है कि छात्रों द्वारा बताई गई समस्याओं के आधार पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए जाएंगे।

एक्सप्रेसवे है या पुरानी कब्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। यूपी की शान कहा जाने वाला गंगा एक्सप्रेसवे, जमीन में ऐसे धंस गया जैसे कोई 100 साल पुरानी कब्र हो। बनते ही बैठ गई करोड़ों की सड़क ने बता दिया कि ऊपर चमक है, नीचे खोखलापन। सोमवार को उन्नाव में एक्सप्रेसवे का सीना धंस गया। जहां गाड़ियों को फर्राटा भरना था, वहां गड्ढे और दरारें मुंह चिढ़ा रही थीं। वीडियो और फोटो वायरल हुए तो हड़कंप मचा। निर्माण एजेंसी भागी-भागी आई, सोमवार से बुधवार तक लीपापोती की और गुरुवार से फिर से ट्रैफिक खोल दिया। कहा - सब ठीक है। लेकिन सवाल ये है, क्या सच में सब ठीक है?

सड़क धंसी ही नहीं, पुल भी दरक गया

एक्सप्रेसवे के एक पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट में भी बड़ी दरार आ गई। अब उस पर ओवरलैपिंग करके पर्दा डाला जा रहा है। बारिश का पहला झटका भी ये एक्सप्रेसवे नहीं झेल पाया। तो क्या जल निकासी फेल है? क्या बेस लेयर में मिट्टी की जगह भ्रष्टाचार भर दिया गया?

ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे भी ऐसी ही मरम्मत के लिए बदनाम हो चुका है। फिलहाल गाड़ियां फिर से चल रही हैं, लेकिन जनता पूछ रही है - जिस सड़क पर चलने से डर लगे, वो एक्सप्रेसवे है या पुरानी कब्र?

मेन लाइन की टेपिंग से परेशान गोला के 28 हजार उपभोक्ता, नहीं हो रहा स्थायी समाधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला क्षेत्र की बिजली व्यवस्था मेन लाइन की टेपिंग के चलते बदहाल हो गई है। तीन विद्युत उपकेंद्रों को संचालित करने के लिए दो 33 हजार वोल्ट के सर्किट हैं। इनमें से एक के खराब होने पर तीनों उपकेंद्रों को दूसरे सर्किट से टेपिंग कर चलाया जाता है। इससे ओवरलोड के कारण जंफर कटने और लो वोल्टेज की समस्या लगातार बनी हुई है।

इसका खामियाजा करीब 28 हजार उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। कस्बे के तहसील, ग्रामीण और पकड़ी विद्युत उपकेंद्रों को डेहरीभार स्थित 220 केवी पारेषण केंद्र से दो 33 हजार वोल्ट की लाइनों से आपूर्ति मिलती है। पकड़ी उपकेंद्र के लिए तीन दशक बाद भी अलग मेन सर्किट नहीं बन सका है।

बीते रविवार को तहसील उपकेंद्र की मेन सप्लाई ब्रेकडाउन होने पर उसे ग्रामीण उपकेंद्र की मेन लाइन से टेपिंग कर चालू कर दिया गया। सोमवार को फाल्ट ठीक होने के बाद भी टेपिंग नहीं हटाई गई। मंगलवार रात करीब दस बजे धौंसहर उर्फ बेलवाभारी में ग्रामीण उपकेंद्र की मेन लाइन का जंफर कट गया। सूचना पर अधिकारियों ने टेपिंग हटाकर फाल्ट ठीक कराया और करीब डेढ़ घंटे बाद आपूर्ति बहाल हुई। रात दो बजे फिर ग्रामीण उपकेंद्र की मेन सप्लाई ब्रेकडाउन हो गई। सुबह पांच बजे फाल्ट ठीक होने के बाद तीनों उपकेंद्रों की आपूर्ति बहाल हो सकी।

टेपिंग को लेकर पहले भी हुई थी कार्रवाई

जुलाई में भी तहसील उपकेंद्र की मेन सप्लाई खराब होने पर ग्रामीण उपकेंद्र से टेपिंग की गई थी। कई दिनों तक लो वोल्टेज की समस्या बनी रहने के बाद शिकायत पर जांच हुई और तत्कालीन जेई का स्थानांतरण कर दिया गया था। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से समस्या दोबारा सामने आ गई है।

कस्तूरबा व परिषदीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर जनपद के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और परिषदीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने पठन-पाठन, स्वच्छता, सुरक्षा और विद्यार्थियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की स्थिति परखी। अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ज्ञानपुर, एसडीएम न्यायिक अरुण दीक्षित ने डीघ, भान सिंह ने सुरियावां, एसडीएम भदोही श्याम कुमार ने भदोही और एसडीएम औराई शिवेंद्र वर्मा ने औराई स्थित कस्तूरबा विद्यालय का निरीक्षण किया। इसके अलावा विभिन्न खंड विकास अधिकारियों ने प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने विद्यालयों में पठन-पाठन, साफ-सफाई, मेस, छात्रावास, बिजली, फर्नीचर और भवन की स्थिति की जांच की। अधिकांश व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर संबंधित अधिकारियों को इन्हें बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रतनपुर टोला मिश्रौलिया स्थित नहर के पास गुरुवार की सुबह पत्नी से हुए आपसी विवाद के बाद एक 24 वर्षीय युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सुबह जब परिजनों की नजर युवक के शव पर पड़ी तो घर में चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही नौतनवा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचनामा भरा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से पूरे गांव में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक रतनपुर टोला मिश्रवलिया नहर निवासी बरसाती वरुण का 24 वर्षीय पुत्र कैलाश वरुण मजदूरी कर अपने माता-पिता का हाथ बंटाता था। कैलाश का विवाह महज चार माह पूर्व नेपाल की रहने वाली कुसमावती के साथ हुआ था।

मानसिक तनाव और अशांति बनी आत्मघाती कदम की वजह

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच तीखी बहस हो गई थी। यह मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि इससे नाराज होकर कुसमावती उसी शाम अपने मायके नेपाल चली गई। पत्नी के इस तरह अचानक चले जाने से कैलाश गहरे मानसिक अवसाद और तनाव में आ गया था। वह खुद को संभाल नहीं पाया और इसी मानसिक अशांति के चलते उसने बुधवार की देर रात यह कदम उठा लिया। इस घटना ने हंसते-खेलते

बीते 4 माह पूर्व मृतक युवक की हुई थी शादी, मामूली विवाद के बाद उजड़ गया संसार

परिवार को उजाड़ दिया। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था, जबकि उसके अन्य तीन भाई आजीविका के लिए बाहर रहते हैं। घर पर रहकर माता-पिता का सहारा बनने वाले जवान बेटे की मौत से मां सरोज और पिता बरसाती वरुण का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में नौतनवा थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

रेडी अन्ना के नाम पर ऑनलाइन सट्टे का खेल, पांच गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल 'रेडी अन्ना' के जरिए सट्टा खिलाने और म्यूल बैंक खातों के माध्यम से लाखों रुपये का लेन-देन कर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का शाहपुर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 23 मोबाइल फोन, चार लैपटॉप, तीन टैबलेट, 11 एटीएम कार्ड, 16 बैंक पासबुक, बायोमेट्रिक डिवाइस समेत बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, थाना शाहपुर पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि सेमरा नंबर-2 स्थित पानी की टंकी के पास एक मकान में कुछ लोग ऑनलाइन गेमिंग में सट्टा लगवाने के साथ अलग-अलग बैंक खातों में रकम मंगाकर ठगी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मकान में छापा मारकर पांच लोगों को पकड़ लिया।

पूछताछ और जांच में सामने आया कि आरोपी 'रेडी अन्ना' नामक ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल का पैनल खरीदकर उसकी एक शाखा के रूप में अपना कार्यालय चला रहे थे। आरोपी सट्टे की रकम के लेन-देन के लिए लोगों को बहला-फुसलाकर अलग-अलग बैंकों में म्यूल अथवा फर्जी खाते खुलवाते थे। इन्हीं खातों में सट्टे की रकम जमा और निकासी की जाती थी। पुलिस के मुताबिक गिरोह प्रतिदिन लाखों रुपये का लेन-देन करता था और रकम मिलने के बाद आपस में हिस्सा बांट लेता था। बरामद उपकरणों और बैंक दस्तावेजों से पुलिस को गिरोह के नेटवर्क की अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितीश सिंह निवासी देवरिया, अभय कुमार सिंह निवासी देवरिया, वजीद चौधरी और साहिल चौधरी निवासी मुजफ्फरनगर तथा मुन्ना कुमार निवासी सिवान, बिहार के रूप में हुई है। मामले में तीन अन्य आरोपी नितिश प्रताप सिंह, संजीव सिंह और एक अज्ञात व्यक्ति को पुलिस ने वांछित किया है। शाहपुर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 401/2026 के तहत धारा 112(2), 318(4) और 61(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई थानाध्यक्ष अंजय कुमार सिंह और साइबर कमांडो उ0नि0 उपेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

कोविड में माता-पिता खोने वाली अंजली को मिली 10 लाख की सहायता, डीएम ने सौंपा चेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। कोविड-19 संक्रमण के दौरान माता-पिता दोनों को खोने वाली बिहार थाना क्षेत्र के जानकीगंज गांव निवासी अंजली को पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत दी गई 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक जिलाधिकारी ने प्रदान किया। अंजली को अप्रैल 2022 में योजना का लाभ दिया गया था और उसके खाते में 10 लाख रुपये की धनराशि जमा की गई थी। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने बताया कि 11 मार्च 2020 से 11 दिसंबर 2021 के बीच कोविड-19 संक्रमण के कारण माता-पिता अथवा वैध संरक्षक को खोने वाले बच्चों को पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत सहायता उपलब्ध कराई गई है। जिले की अंजली पुत्री स्व. बसन्त लाल भी इस योजना की लाभार्थी हैं।

अंजली को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के अलावा प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पांच लाख रुपये तक मुफ्त उपचार की सुविधा, आपदा विभाग से 50 हजार रुपये की सहायता तथा शिक्षा के लिए भारत सरकार से 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही जुलाई 2021 से जून 2024 तक बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत शिक्षा एवं भरण-पोषण के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी गई। चेक प्राप्त करने के बाद अंजली ने पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से मिली सहायता के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि कठिन समय में मिली आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी सहायता ने उनके भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। अंजली ने सहायता का सदुपयोग कर आत्मनिर्भर बनने और जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने की बात कही।

उन्नाव बार एसोसिएशन के महामंत्री पद पर आनंद बूटा विजयी

उन्नाव। बार एसोसिएशन के महामंत्री पद के चुनाव में गुरुवार को हुए पुनर्मतगणना के बाद आनंद कुमार सिंह बूटा को विजयी घोषित किया गया। रीकाउंटिंग में आनंद कुमार सिंह बूटा ने राहुल सिंह यादव को महज एक वोट के अंतर से पराजित किया। चुनाव अधिकारी प्रकाश निगम ने परिणाम घोषित करते हुए आनंद बूटा को 408 मत, राहुल सिंह यादव को 407 मत और सिद्धांत अवस्थी को 395 मत मिलने की जानकारी दी। दरअसल, बुधवार रात हुई प्रारंभिक मतगणना में आनंद कुमार सिंह बूटा और राहुल सिंह यादव के मत बराबर आने के बाद परिणाम स्पष्ट नहीं हो सका था। इसके बाद गुरुवार को दोबारा मतगणना कराने का निर्णय लिया गया। रीकाउंटिंग के दौरान कचहरी परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। रीकाउंटिंग शुरू होने से पहले ही कचहरी परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। कोतवाली, दही और अचलगंज समेत कई थानों के निरीक्षकों के साथ 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। अधिकारियों की निगरानी में मतों की दोबारा गिनती कराई गई।

नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत-प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, समीक्षा के दौरान फार्मर आईडी एवं फैमिली आईडी के निर्माण की प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा प्रगति में अपेक्षित सुधार न होने पर उपनिदेशक कृषि के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों के गठन के उपरांत रिवॉल्विंग फंड आर0एफ0 एवं सीआईएफ फंड की प्रगति की भी समीक्षा की। समीक्षा में संबंधित कार्यों की प्रगति धीमी पाए जाने तथा फंड मैपिंग का कार्य भी अपेक्षित गति से न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि संबंधित कार्यों में तत्काल तेजी लाई जाए और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन विकास खंडों में उक्त कार्यों की प्रगति सबसे खराब है, उन विकास खंडों के डीएमएम एवं बीएमएम के मानदेय भुगतान पर रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रगति में अपेक्षित सुधार नहीं होता है तो संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध सेवा समाप्ति की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। जिन विभागों की निर्माण परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाई गई, उनके संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और निर्धारित समयसीमा में कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उनकी थर्ड पार्टी जांच शीघ्र कराई जाए।

जांच के उपरांत परियोजनाओं को संबंधित विभाग को हैंडओवर करने की कार्रवाई भी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा हैंडओवर की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले संकेतकों में तत्काल सुधार सुनिश्चित करें। शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।

ऑपरेशन की मेज से जीवित नहीं लौट सकी रूबी

अजगैन मेडिकल सेंटर में प्रसूता की मौत से मचा हड़कंप, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। अजगैन के एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद 32 वर्षीय प्रसूता की मौत से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान रूबी पत्नी सतीश गौतम, निवासी कुशली खेड़ा के रूप में हुई है। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों का आक्रोश भी सामने आया। परिजनों के मुताबिक रूबी को प्रसव के लिए अजगैन मेडिकल सेंटर लाया गया था। यहां ऑपरेशन के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। देखते ही देखते स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों का आरोप है कि समय रहते समुचित उपचार नहीं मिलने के कारण रूबी की जान चली गई। **एक तरफ नवजात की किलकारी, दूसरी तरफ परिवार में मातम** जिस अस्पताल में परिवार नवजात के आने की खुशी में था, वहीं कुछ ही समय बाद मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। प्रसव के बाद मां की मौत ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और इलाज के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों का आरोप है कि रूबी की हालत बिगड़ने के बाद भी अस्पताल स्तर पर अपेक्षित उपचार नहीं मिला। हालांकि इलाज में लापरवाही के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

सवालों के घेरे में अस्पताल की व्यवस्था प्रसूता की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर प्रसव के बाद उसकी हालत क्यों बिगड़ी? ऑपरेशन के दौरान या उसके बाद ऐसी कौन-सी स्थिति बनी, जिससे उसकी जान चली गई? क्या अस्पताल में आपात स्थिति से निपटने के पर्याप्त इंतजाम थे? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा। घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की भूमिका भी अहम हो गई है। यदि परिजनों के आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो सकती है। फिलहाल रूबी की मौत ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया है और अजगैन मेडिकल सेंटर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यही हाल जिले में जगह जगह चाय की दुकानों की तरह अवैध फैले अस्पतालों का है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्यादातर अस्पताल आवासीय भवनों में मानकविहीन संचालित होने के आरोप हैं। मामले की निष्पक्ष जांच से ही मौत की असली वजह और जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

एसबीआई अफसर ने पत्नी और बहन की हत्या के बाद खुद को मारी गोली

पत्नी को बैंक के बाहर बुलाकर मारी गोली, घर पहुंचकर बहन की हत्या के बाद की आत्महत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को सनसनीखेज वारदात सामने आई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के फील्ड ऑफिसर ने पहले अपनी बैंककर्मी पत्नी को कार्यालय के बाहर बुलाकर गोली मार दी। इसके बाद घर पहुंचकर अपनी बहन की भी गोली मारकर हत्या कर दी और खुद को गोली मारकर जान दे दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को मौके से हथियार भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया। घटना के पीछे घरेलू विवाद और पत्नी से चल रहा वैवाहिक विवाद प्रमुख कारणों में माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 12:05 बजे एसबीआई में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत मानस बाजपेयी कार से गोमतीनगर क्षेत्र स्थित आईसी आईसीआई बैंक पहुंचा। उसकी पत्नी दिव्या मिश्रा बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत थीं और रिलेशनशिप मैनेजर के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रही थीं। बताया जा रहा है कि बैंक पहुंचने के बाद मानस ने फोन कर दिव्या को कार्यालय से बाहर बुलाया। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई। इसके बाद मानस ने दिव्या को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। अचानक हुई गोलीबारी से बैंक परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद पुलिस ने बैंक परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी बैंक तक किस रास्ते से पहुंचा और वारदात के बाद किस रास्ते से अपने घर गया। पत्नी की हत्या के बाद मानस करीब 12:30 बजे अपने घर पहुंचा। बताया जा रहा है कि वह गोमतीनगर क्षेत्र में हुसड़िया चौराहे के पास किराये के मकान में अपनी बहन के साथ रहता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घर पहुंचने के समय मानस काफी परेशान और पसीने से भीगा हुआ था। घर में दाखिल होने के बाद उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद उसने टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। कुछ देर बाद घर के भीतर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई तो वे मौके पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण पड़ोसियों ने उसे तोड़ दिया। कमरे के भीतर मानस और उसकी बहन शीबा खून से लथपथ पड़े मिले। पुलिस के पहुंचने तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

पाला बदलू नेता आज दूध के धुले बन रहे हैं' - जातिवाद, परिवारवाद और खूनी कांडों को जनता भूली नहीं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कल तक कांग्रेस में थे, आज भाजपा में हैं। कल तक सपा में थे, आज भाजपा में हैं। सिद्धांत एक भी नहीं, बस सत्ता चाहिए। पूंजीपतियों के आगे नाक रगड़ते हैं, गुंडागर्दी करते हैं और भाषण में ईमानदारी की बात करते हैं।' उन्होंने पुरानी सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहाः 'कांग्रेस, सपा, बसपा - सबका राज देखा है। इनके राज में जातिवाद चरम पर था, परिवारवाद चरम पर था।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने दल-बदल और अवसरवादी राजनीति पर करारा हमला बोला। सिंह ने कहाः 'जिनके हाथ जनता के खून से रंगे हैं, वही आज अपने आप को दूध का धुला बता रहे हैं। कल तक कांग्रेस में थे, आज भाजपा में हैं। कल तक सपा में थे, आज भाजपा में हैं। सिद्धांत एक भी नहीं, बस सत्ता चाहिए। पूंजीपतियों के आगे नाक रगड़ते हैं, गुंडागर्दी करते हैं और भाषण में ईमानदारी की बात करते हैं।' उन्होंने पुरानी सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहाः 'कांग्रेस, सपा, बसपा - सबका राज देखा है। इनके राज में जातिवाद चरम पर था, परिवारवाद चरम पर था। 'चच्चा और दद्दा' की सरकार में उत्तर प्रदेश किस हाल में था, ये किसी से छिपा नहीं है। जिया उल हक कांड और अमरमणि त्रिपाठी कांड जैसी घटनाएं इसी दौर की देन हैं। क्या जनता ये सब भूल गई? 2014 से पहले भी लूट, अत्याचार और गुंडागर्दी हुई है। तब ऋस याद नहीं आया। अब चुनाव आया तो सबको देशभक्ति याद आ गई। ये सब सिर्फ दिखावा है।' राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 'पाला बदलने से चरित्र नहीं बदलता। जनता सब हिसाब रख रही है। भारतीय जन समाज पार्टी न बिकेगी, न झुकेगी। हमारा एक ही एजेंडा है - गरीब, किसान और नौजवान की इज्जत। '

निराश्रित पशुओं और अवैध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर में निराश्रित पशुओं और अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को पारा थाना क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने पुलिस बल, प्रवर्तन दल और कैटिल कैचिंग दस्ते के सहयोग से विशेष अभियान चलाया। इस दौरान खुले में घूम रहे 46 पशुओं को पकड़कर कान्हा उपवन गौशाला में निरुद्ध कराया गया। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के निर्देश पर चलाए गए अभियान में टीम ने 45 भैंस और एक भैंसा को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों का भी निरीक्षण किया गया। टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर पशुओं को खुले में रखने और उनसे होने वाली समस्याओं को लेकर संबंधित लोगों को कार्रवाई की चेतावनी दी। नगर निगम की संयुक्त टीम ने पिंक सिटी, गदियाना, बुद्धेश्वर, विहार कॉलोनी और काकोरी मोड़ क्षेत्र में अभियान चलाया। पुलिस बल की मौजूदगी में प्रवर्तन दल और कैटिल कैचिंग दस्ते ने पशुओं को पकड़कर निर्धारित स्थल पर पहुंचाया। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, शहर में खुले में घूमने वाले पशुओं के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है।

सत्वेश्वर मंदिर में गूंजा रामायण पाठ, महिलाओं ने संभाली धार्मिक अनुष्ठान की कमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए सामूहिक रूप से रामायण का पाठ किया और महिला शति एवं धार्मिक सहभागिता का संदेश दिया। रामायण पाठ के दौरान मंदिर परिसर भतिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ रामायण की चौपाइयों का पाठ किया।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सावन माह के पावन अवसर पर देशभर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर जारी है। इसी क्रम में लखनऊ स्थित सत्य सत्वेश्वर महादेव मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान के तहत रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए सामूहिक रूप से रामायण का पाठ किया और महिला शक्ति एवं धार्मिक सहभागिता का संदेश दिया। रामायण पाठ के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ रामायण की चौपाइयों का पाठ किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं श्रीराम की आराधना कर सुख-शांति और लोककल्याण की कामना की। कार्यक्रम में मंदिर के महंत नारायण मिश्र ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। उन्होंने धार्मिक अनुष्ठान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। महंत नारायण मिश्र ने कहा कि रामायण पाठ और इस प्रकार के धार्मिक अनुष्ठानों का उद्देश्य विश्व शांति, जनकल्याण और समाज में सुख-समृद्धि की कामना करना है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज में महिला शक्ति और उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक भूमिका को भी मजबूत करती है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। मंदिर परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान भजन, रामायण पाठ और धार्मिक मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजकों ने भविष्य में भी लोककल्याण और विश्व शांति की कामना को लेकर ऐसे धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाने की बात कही।

खैराबाद में अमर शहीद अल्लामा फ़ज़ले हक़ खैराबादी की मनाई गई 165वीं पुण्य तिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय मदरसा अल्लामा फजले हक खैराबादी मेमोरियल कॉलेज में 1857 के अमर शहीद मर्दे मुजाहिद जलील हज़रत अल्लामा फजले हक खैराबादी अलैहिर्रहमा की 165 वीं पुण्य तिथि पर मदरसा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इससे पूर्व बच्चों एवं शिक्षकों ने प्रभात फेरी निकाल कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की प्रभात फेरी में बच्चे अल्लामा फजले हक़ अमर रहे मंगल पांडेय अमर रहे राजा हर प्रसाद अमर रहे सुभाष चंद्र बोस अमर रहे के जोशीले नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा सबसे पहले बच्चे अल्लामा फजले हक़ स्मारक पर पहुंच कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया इसके पश्चात स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी राजा हर प्रसाद के स्मारक पर पुष्पांजलि करके उन्हें याद किया गया।इस अवसर पर संस्था के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष उच्च शिक्षा सेवा चयन आयोग इलाहाबाद तथा शिया पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉक्टर फिदा हुसैन अंसारी ने अपने एक संदेश में कहा कि अल्लामा फजले हक़ अलैहिर्रहमा की 1857 की कुर्बानी को कभी फरामोश यानी भुलाया नही जा सकता पर अफसोस है कि आज हमारी तारीख अर्थात इतिहास में कहीं भी आपका नाम तक नही दर्ज है। आपको जहां काले पानी की सज़ा दी गई जब वहां मै गया तो देखा कि बहुत कष्ट दाई जगह थी जहां पर अल्लामा फ़ज़्ले हक़ को रखा गया था वहीं पर आपकी मज़ार भी बनी हुई है। इस संस्था की स्थापना करके काजिम हुसैन ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। संस्था के संस्थापक क़ाज़िम हुसैन ने अपने एक संदेश में कहा कि मालूम हो कि 1857 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद अल्लामा फजले हक खैराबादी ने अंग्रेजों के खिलाफ जेहाद का फतवा दिया कि अंग्रेजों हिन्दुस्तान छोडो इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग घरों से बाहर निकल करअंग्रेजों से युद्ध करने मैदान में आ गए जिसमे सैकड़ों की तादाद में उलमाए किराम मौलानाओं को क़त्ल कर दिया गया और आपको गिरफ्तार करके मुक़दमा चलाया गया 1859 में आपको काले पानी की सज़ा देते हुए अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के क़ैद खाने में काले पानी की सज़ा बोलते हुए क़ैदख़ाने में डाल दिया गया जेल यानी बैरक की हालत ये थी कि न सीधे खड़े हो सकते न लेट सकते थे इतनी सख़्त सज़ा दी गई तत्पश्चात 20 अगस्त 1861 को आप की मृत्यु उसी क़ैदख़ाने में हो गई थी। संस्था अध्यक्ष नजमुल हसन शोएब मियां तथा सहयोगी क़ारी इस्लाम अहमद आरफी ने संबोधित करते हुए कहा कि अल्लामा फ़ज़्ले हक़ अलैहिर्रहमा की कुर्बानी को कभी भुलाया न जा सकेगा लेकिन अफ़सोस यह है कि जो स्थान उन्हें मिलना चाहिए था वो दिया नहीं गया उन्होंने सरकार से मांग करते हुए अपील किया कि अल्लामा फ़ज़्ले हक़ खैराबादी और राजा हरि प्रसाद के नाम से क़स्बे की सीमा में प्रवेश करने के स्थान पर एक गेट बनाया जाए और अल्लामा के नाम से सामुदायिक केंद्र खैराबाद का नाम रखा जाए और एक डिग्री कॉलेज भी खोला जाए।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोष्ठी कर किया याद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस जनो नै गोष्ठी कर उनको याद किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा ने कहा कि देश की जनता राजीव गांधी को कभी भूल नहीं पाएगी उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं के लिए नई-नई योजनाएं लाने तथा कंप्यूटर को देश में लाकर एक नई क्रांति फैलाने का कार्य किया है। आरटीआई सेल के प्रदेश सचिव रजनीश मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश की प्रगति में अपना पूरा योगदान देते हुए देश को आगे बढ़ाया उन्होंने देश के लिए ही अपनी जान तक गवा दी ।उन्हें कभी भी भूला नहीं जा सकता । गोष्ठी में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने शिरकत कर स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए देश के विकास, आधुनिक तकनीक, संचार क्रांति और युवाओं के लिए किए गए उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। नगर के पूर्व नगर अध्यक्ष रमेश चंद गौड़ ने कहा ने कि राजीव गांधी ने भारत को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। गोष्टी में मौजूद लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और देशहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान राजीव गांधी के विचारों एवं योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद सिंह अधिवक्ता पवन कुमार मिश्रा सुशील शुक्ला कमल शुक्ला गौरव सेठ शहीद कई कांग्रेस जन मौजूद रहे।

निगोहां में ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, युवक का हाथ कुचला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां कस्बे में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। टक्कर के दौरान एक युवक का दाहिना हाथ ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे हाथ गंभीर रूप से कुचल गया। दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी मोहनलालगंज भेजा गया। पुलिस के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब दो बजे ट्रक संख्या यूपी 81 एफटी 6510 का चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। निगोहां कस्बे में ट्रक ने सामने से आ रही बाइक संख्या यूपी 32 एनके 7839 में टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक चला रहे सुखदेव पुत्र रामखेलावन निवासी लालपुर, थाना निगोहां को मामूली चोटें आईं। वहीं पीछे बैठे राजेश पुत्र शंकर निवासी लालपुर का दाहिना हाथ ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर पुलिस अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मीनापुर में किसान के घर धावा, लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

.......परिजनों ने करीब 40 लाख रुपये के सामान चोरी होने का किया दावा, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने जुटाए साक्ष्य ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मीनापुर गांव में बुधवार रात बेखौफ चोरों ने किसान के घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पार कर दी। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर सो रहे थे। गुरुवार तड़के करीब 4:30 बजे घर का दरवाजा खुलने पर चोरी की जानकारी हुई। घर में सामान बिखरा मिलने और कमरों की कुंडी टूटी देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया। मीनापुर निवासी जितेन्द्र यादव पुत्र अवधेश यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर सो रहे थे। गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे उनकी भाभी ने घर का दरवाजा खोला तो छत में लगी खिड़की टूटी मिली। अंदर जाकर देखा तो दो कमरों की कुंडी कटी हुई थी। अलमारी में रखे चांदी के जेवरात और करीब 10 हजार रुपये की नकदी गायब थी। कमरों में सामान भी बिखरा पड़ा था। परिजनों का दावा है कि चोरी गए जेवरात और अन्य सामान की कीमत करीब 40 लाख रुपये है। हालांकि चोरी हुए सामान की वास्तविक कीमत पुलिस की जांच और सत्यापन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने जुटाए साक्ष्य

चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर मौके से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस के आला अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना की जानकारी ली। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह अवकाश पर होने के बावजूद मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम को जल्द घटना का खुलासा करने के निर्देश दिए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

एसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की मदद से साक्ष्य जुटाए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पीड़ित परिवार से चोरी हुए जेवरात और अन्य सामान की जानकारी ली जा रही है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

चौकी पुलिस की गश्त पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

घटना के बाद ग्रामीणों ने सिसेंडी चौकी पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए। इतनी बड़ी चोरी की वारदात से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

एयरपोर्ट के आसपास अनाधिकृत निर्माण पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की बैठक गुरुवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में एयरपोर्ट की सुरक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कूड़ा प्रबंधन, अनधिकृत निर्माण और आसपास संचालित मांस की दुकानों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी दर्शन सिंह समेत विभिन्न सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और एयरपोर्ट से जुड़े हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और चिन्हित समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने विमानन गतिविधियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, संरक्षित और टिकाऊ वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। बैठक में एयरपोर्ट के आसपास संचालित अनधिकृत मांस की दुकानों और कचरा निस्तारण की समस्या पर विशेष चर्चा हुई। मंडलायुक्त ने नगर निगम तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोनों विभागों को डेटा आधारित संयुक्त निगरानी तंत्र विकसित करने को कहा। इसके माध्यम से पिछले माह और वर्तमान माह के आंकड़ों की तुलना करते हुए अनधिकृत रूप से संचालित मांस की दुकानों की संख्या का पता लगाया जाएगा। चिन्हित दुकानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मंडलायुक्त ने एयरपोर्ट के आसपास अनधिकृत रूप से कूड़ा डंप करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मकानों और दुकानों को चिह्नित किया जाए, जहां से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार नगर निगम की डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण सेवा को कूड़ा नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही ऐसे व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों की अलग सूची तैयार करने को कहा गया, जो एयरपोर्ट के आसपास अथवा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकते या डंप करते हैं। संबंधित लोगों के खिलाफ जुर्माना, चालान और अन्य विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने नगर निगम अधिकारियों को एयरपोर्ट के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में कूड़ा उठाने वाले वाहनों की नियमित आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा। विशेष रूप से अमौसी मार्केट, बिजनौर तिराहा और रहीमाबाद समेत एयरपोर्ट से सटे क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोई भी क्षेत्र कूड़ा संग्रहण सेवा से वंचित नहीं रहना चाहिए। कूड़ा संग्रहण वाहनों के मार्ग और फेरे निर्धारित कर उनकी प्रभावी निगरानी की जाए। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त फेरे बढ़ाए जाएं, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जमा न हो। बैठक में एयरपोर्ट के आसपास अनधिकृत निर्माण और ऊंची इमारतों के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। मंडलायुक्त ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट परिसर के आसपास हो रहे निर्माण कार्यों का तत्काल सर्वेक्षण कराया जाए।

अतिक्रमण और प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम का सघन अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने गुरुवार को विभिन्न क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए अभियान में दुकानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने के साथ अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना और शमन शुल्क वसूला गया। जोन-8 के सेक्टर-एच, रजनीखंड से तेलीबाग तक नगर निगम की टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान 25 से अधिक दुकानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच में गंदगी मिलने पर 49,200 रुपये का अर्थदंड लगाया गया, जबकि प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर 1,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार जोन-8 में कुल 50,200 रुपये का अर्थदंड नगर निगम कोष में जमा कराया गया। अभियान के दौरान 100 ग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक भी जब्त की गई। अभियान में जोनल सेनेटरी अधिकारी जितेंद्र कुमार गांधी, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मो. नईम, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक वीरभद्र सिंह, सत्येंद्रनाथ और मीरा राव सहित प्रवर्तन दल एवं 296 टीम के सदस्य मौजूद रहे। जोन-5 क्षेत्र में आलमबाग चौराहे से एलडीए मार्केट, बालाजी ढाबा, आलमबाग बस अड्डा, टेढ़ी पुलिया होते हुए मवैया मेट्रो स्टेशन तक दोनों पटरियों पर अभियान चलाया गया।

संपादकीय

भ्रष्टाचारी तंत्र और मिलावट माफिया के गठजोड़ का नतीजा है जहरीली शराब!

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें 'ड्राई स्टेट' शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरुआती रिपोर्टों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है ? पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या ? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है ? बोतलें कहां बनती हैं ? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है ? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है ? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती ? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली विक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन

'स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया' बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है। बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है। चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है। बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है। यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं।

परिवार से दूर होता बचपन

आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा। बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए। किताबों से कल्पना की दुनिया बनानी चाहिए। कला, संगीत, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियां बच्चे के व्यक्तित्व को विस्तार देती हैं। मोबाइल की स्क्रीन इन अनुभवों का विकल्प नहीं बन सकती। यदि बचपन का बड़ा हिस्सा आभासी दुनिया में गुजरने लगे तो सामाजिक व्यवहार, संवाद क्षमता और वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अनुभव प्रभावित हो सकता है। आज की सुविधा कल की कमजोरी न बन जाए, इसकी चिंता अभी से करनी होगी।

दुनिया में बढ़ रही सतर्कता

दुनिया के कई देशों में बच्चों और सोशल मीडिया के संबंध को लेकर सरकारें नए नियमों पर काम कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर आयु आधारित प्रतिबंध लागू किया गया है। कई यूरोपीय देशों में स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल सीमित करने पर जोर दिया गया है। चीन में नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने के समय को नियंत्रित किया गया है। दक्षिण कोरिया में अत्यधिक इंटरनेट और स्मार्टफोन निर्भरता से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श की व्यवस्था की गई है। भारत में परिस्थितियां अलग हैं। यहां परिवार, समाज, शिक्षा और संस्कृति की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए किसी दूसरे देश का मॉडल ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि समस्या को अनदेखा किया जाए। राजस्थान को डिजिटल नीति बनानी होगी।राजस्थान में बच्चों के लिए एक स्पष्ट डिजिटल सुरक्षा नीति की जरूरत है। स्कूलों में स्मार्टफोन मुक्त कक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन गोपनीयता, साइबर उत्पीड़न, गलत सूचना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर दी जा सकती है। शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें डिजिटल जोखिमों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जिन बच्चों को तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल से परेशानी हो रही हो, उनके लिए विद्यालय स्तर पर परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है। इसके साथ ही स्कूलों में पुस्तकालयों को सक्रिय करना होगा। बच्चों को केवल किताब खरीदने की सलाह देने से पढ़ने की आदत नहीं बनेगी। पुस्तक चर्चा, कहानी लेखन, वाचन, खेल, विज्ञान प्रयोग, कला और परियोजना आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। बच्चे को मोबाइल से हटाने के लिए उसके सामने बेहतर विकल्प भी रखने होंगे। बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह काट देना व्यावहारिक समाधान नहीं है। डिजिटल दुनिया से परिचित होना आज की आवश्यकता भी है। सवाल यह है कि बच्चा तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है या तकनीक बच्चे के व्यवहार को नियंत्रित कर रही है। सरकार को उम्र के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन व्यवहार के स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों पर पहरा लगाने से अधिक जरूरी है उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से चलना सिखाना। आज मोबाइल हाथ में है, कल यही बच्चे देश का भविष्य संभालेंगे। इसलिए चिंता केवल इस बात की नहीं होनी चाहिए कि बच्चा कितने घंटे मोबाइल चला रहा है। असली सवाल यह है कि मोबाइल उसके समय, सोच, व्यवहार और रिश्तों के साथ क्या कर रहा है।

कांतिलाल मांडोत

गौमाता: आस्था से आगे संरक्षण की जिम्मेदारी

भारतीय संस्कृति को समझना हो तो केवल उसके ग्रंथों को पढ़ना पर्याप्त नहीं है, उसके उन भावों को समझना होगा जिनमें मनुष्य ने प्रकृति, पशु-पक्षियों और समस्त जीव-जगत के प्रति करुणा और कृतज्ञता का भाव विकसित किया। इसी भावभूमि में गाय का स्थान केवल एक पशु का नहीं, बल्कि मातृत्व, पोषण और संवेदना के प्रतीक का रहा है। सनातन परंपरा में गाय को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। धार्मिक जीवन में गोसेवा, गोदान और गोपूजन की परंपरा रही। भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गाय परिवार का हिस्सा हुआ करती थी। उसका दूध बच्चों और बुजुर्गों के पोषण का आधार था, जबकि गोबर और गोमूत्र का उपयोग खेती तथा घरेलू जीवन में होता था। यानी गाय के साथ हमारा संबंध केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक भी था। यही कारण था कि कभी विद्यालयों की किताबों में भी गाय पर पाठ पढ़ाया जाता था। बच्चे सीखते थे कि गाय उपयोगी पशु है, उसके प्रति दया और संवेदना रखनी चाहिए। उस पाठ में केवल गाय का परिचय नहीं होता था, बल्कि उसके माध्यम से करुणा, कृतज्ञता और जीवों के प्रति सम्मान की शिक्षा भी दी जाती थी। लेकिन समय बदला और हमारी प्राथमिकताएं भी बदलने लगीं। जब संवेदना, बाजार के सामने कमजोर पड़ने लगी। आज हमारे सामने एक विरोधाभासी तस्वीर है। एक ओर हम गाय को पूजते हैं, उसके सामने दीप जलाते हैं, धार्मिक अनुष्ठानों में उसका स्मरण करते हैं; दूसरी ओर देश के कई हिस्सों में गोवंश के वध और मांस के व्यापार को लेकर लगातार बहस होती रहती है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि भारत में गोहत्या और गोमांस से संबंधित कानून पूरे देश में एक समान नहीं हैं; अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कानूनी व्यवस्थाएं हैं। इसलिए पूरे देश को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न कानून से आगे का है, क्या जिस जीव को हमारी संस्कृति ने सदियों तक मातृत्व और करुणा के प्रतीक के रूप में देखा, उसके प्रति हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर होती जा रही है ? आज खान-पान और जीवनशैली में बदलाव को आधुनिकता का प्रतीक मानने की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है। किसी भोजन को केवल इसलिए 'फैशन' या 'आधुनिकता' का प्रतीक मान लेना कि वह किसी दूसरे समाज की जीवनशैली का हिस्सा है, हमारी अपनी सांस्कृतिक चेतना पर विचार करने का अवसर देता है। यहां यह भी आवश्यक है कि गाय के संरक्षण की चर्चा को केवल धार्मिक विवाद बनाकर देखना उचित नहीं होगा। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और टिकाऊ कृषि से भी जुड़ा विषय है। भारतीय कृषि में लंबे समय तक पशुधन खेती का अभिन्न हिस्सा रहा। प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि की आज जब दुनिया में चर्चा हो रही है, तब देशी पशुधन से मिलने वाले संसाधनों की उपयोगिता पर भी फिर से ध्यान दिया जा रहा है। लेकिन यहां भी भावनाओं के साथ व्यवहारिकता जरूरी है। केवल नारा लगाने से गायों की रक्षा नहीं होगी। यदि हम सचमुच उन्हें 'माता' मानते हैं तो उनके लिए चारा, पानी, स्वास्थ्य, आश्रय और वृद्ध पशुओं की देखभाल की ठोस व्यवस्था भी करनी होगी। हमें पूजा से आगे बढ़कर संरक्षण की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग समय-समय पर उठती रही है। राष्ट्रीय पशु का दर्जा, भावना के साथ जिम्मेदारी भी है और यदि ऐसा निर्णय लिया जाता है तो उसका उद्देश्य केवल भावनात्मक घोषणा नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके साथ एक व्यापक राष्ट्रीय नीति भी होनी चाहिए। देश में गोवंश संरक्षण के लिए वैज्ञानिक पशु-चिकित्सा व्यवस्था, गौशालाओं का बेहतर प्रबंधन, निराश्रित पशुओं के लिए स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी, पशुपालकों को आर्थिक प्रोत्साहन और कृषि से जुड़ी उपयोगी गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसी व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी। किसी जीव को 'राष्ट्रीय' दर्जा देना तभी सार्थक होगा जब उसके प्रति राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी दिखाई दे। नई पीढ़ी को फिर से पढ़ाना होगा कि गाय का हमारी संस्कृति में क्या महत्व है। शायद सबसे बड़ा बदलाव हमारी शिक्षा और संस्कारों में होना चाहिए। आज के बच्चे गाय को केवल सड़क पर घूमते हुए या इंटरनेट की तस्वीरों में देखते हैं। उन्हें यह बताना जरूरी है कि भारतीय सभ्यता में गाय को सम्मान क्यों मिला, ग्रामीण जीवन में उसका क्या योगदान रहा और पशु के प्रति करुणा हमारी संस्कृति का हिस्सा क्यों रही। यह शिक्षा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि जीवों के प्रति संवेदनशीलता की शिक्षा होनी चाहिए। हमें बच्चों को यह सिखाना होगा कि आधुनिक होना अपनी जड़ों से दूर होना नहीं है। आधुनिकता का अर्थ संवेदना खो देना भी नहीं है। गाय को बचाना है तो केवल भावुक नहीं, जिम्मेदार बनना होगा। गाय को माता कहने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके बूढ़े होने पर भी हम उसे बेसहारा न छोड़ें। दूध लेना आसान है, लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव में उसकी सेवा करना ही हमारी वास्तविक परीक्षा है। यदि गाय हमारे लिए मां है तो उसका सम्मान केवल गोपाष्टमी या किसी धार्मिक अवसर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आज जरूरत है कि हम गाय को लेकर राजनीति और विवाद से ऊपर उठकर एक संतुलित राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करें—जिसमें हमारी सांस्कृतिक आस्था, पशु कल्याण, किसान की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और कानून सभी का सम्मान हो। भारत की पहचान केवल उसके मंदिरों और तीर्थों से नहीं है। उसकी पहचान उस करुणा से भी है जो उसे चींटी को आटा खिलाने, पक्षियों के लिए दाना रखने और गाय को माता कहने की प्रेरणा देती है। यदि यह संवेदना कमजोर पड़ गई तो केवल गाय नहीं बदलेगी, हमारी अपनी सांस्कृतिक चेतना भी बदल जाएगी। इसलिए गाय को 'माता' कहने की परंपरा को केवल शब्दों में नहीं, व्यवहार में जीवित करना होगा। गाय की रक्षा केवल गाय की रक्षा नहीं है, यह हमारी करुणा, हमारी संस्कृति और उस भारतीय सोच की रक्षा है जो कहती है, 'जिसमें जीवन है, उसमें सम्मान है, और जिस संस्कृति में करुणा जीवित है, वही संस्कृति वास्तव में जीवित है।

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

अस्पताल में खौफ- जीवनदायी आरोग्यशाला में राक्षसी दुराचार

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था ? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं ? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है ? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है।

ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए। तैनात कर्मचारियों की कारगुजारियों-भूमिकाओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। अस्पतालों में सीसीटीवी कवरेज का दायरा विस्तृत व मजबूत किया जाना चाहिए। साथ ही अनिवार्य रूप से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का प्रोटोकॉल लागू किया जाना जरूरी है। महत्वपूर्ण यह कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में जवाबदेही से बचने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि स्वास्थ्य सेवा में उपचार के साथ लोगों के भरोसे को बनाये रखना भी अनिवार्य शर्त है।

मेष-मेष राशि वालों के लिए दिन रिश्तों में संतुलन बनाए रखने वाला रहेगा। जीवनसाथी या साझेदार के साथ महत्वपूर्ण बातचीत सफल हो सकती है। परिवार से जुड़ी कोई समस्या बातचीत से सुलझेगी। भाई-बहन से चर्चा करते समय गुस्से से बचें। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बना रहेगा।

वृषभ-वृषभ राशि वालों को आज दिनचर्या और कामकाज व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा। पुरानी थकान कम हो सकती है। परिवार में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उन्हें अच्छी तरह संभाल लेंगे। धन कमाने के गलत तरीकों से दूर रहें। बड़े आर्थिक फैसले जल्दबाजी में न लें।

मिथुन-मिथुन राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा रह सकता है। धन प्राप्ति के नए अवसर मिल सकते हैं और निवेश से जुड़ा कोई प्रस्ताव सामने आ सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। क्रोध में कोई निर्णय लेने से बचें।

कर्क-कर्क राशि वालों को आर्थिक मामलों में आत्मविश्वास मिलेगा। पुरानी उलझन सुलझ सकती है और किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी। परिवार में शांति बनी रहेगी। धन से जुड़े बड़े फैसले लेने से पहले अच्छी तरह विचार करें। यात्रा या रोजमर्रा के काम में सावधानी रखें।

सिंह-सिंह राशि वालों के लिए आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में किसी शुभ कार्य की संभावना है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सफलता के बीच विनम्रता बनाए रखना जरूरी होगा। अध्ययन और नए विषय सीखने में रुचि बढ़ सकती है।

कन्या-कन्या राशि वालों का ध्यान आज सुख-सुविधाओं और आर्थिक मामलों पर रहेगा। धन को लेकर सोच संतुलित रहेगी और सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। कार्यक्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें।

तुला-तुला राशि वालों के लिए दिन सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों के लिहाज से अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण फैसलों में स्पष्टता आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझ का लाभ दूसरों को मिलेगा। नए लोगों से संपर्क बढ़ सकता है, लेकिन अपनों से दूरी बनाने से बचें।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों का आत्मविश्वास कार्यक्षेत्र में मजबूत रहेगा। नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। मित्रों का सहयोग मिलेगा और किसी जरूरी काम में मदद मिल सकती है। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। सफलता मिलने पर भी अहंकार से बचना जरूरी होगा।

धनु-धनु राशि वालों के लिए भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह काम आएगी। कार्यक्षेत्र में लापरवाही से बचें। जीवनसाथी या साझेदार के साथ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से स्थिति संभल जाएगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर-मकर राशि वालों को कार्यक्षेत्र के दबाव से राहत मिल सकती है। पुराने काम पूरे होंगे और फैसले लेने में स्पष्टता रहेगी। परिवार में वरिष्ठ सदस्य से अपेक्षित सहयोग कम मिल सकता है। किसी जटिल समस्या का समाधान आपकी समझदारी से हो सकता है। रोजमर्रा के काम में जल्दबाजी से बचें।

कुंभ-कुंभ राशि वालों के लिए दिन भाग्य और संबंधों के लिहाज से सकारात्मक रहेगा। पुरानी परेशानी कम हो सकती है। जीवनसाथी या साझेदार का सहयोग आत्मविश्वास बढ़ाएगा। संतान और प्रेम संबंधों में उत्साह रहेगा। किसी बात पर जिद करने के बजाय समझदारी से बातचीत करें।

मीन-मीन राशि वालों के लिए पुरानी उलझनों को सुलझाने का दिन है। अध्ययन और शोध से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। किसी बड़े फैसले में जल्दबाजी न करें। संतान या प्रेम संबंधों से अच्छी खबर मिल सकती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के चिकित्साधिकारियों को दिए निर्देश

विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा कर खराब प्रगति पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को लगाई कड़ी फटकार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने आज गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कर समस्त चिकित्सा अधिकारियों को जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा प्रशासन की प्राथमिक है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी दे चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाएं की प्रगति में कमी पेय जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बैठक में जननी सुरक्षा योजना, नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना सहित शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में दी जा रहीं स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया और एक एक कर पीपीटी पर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जननी सुरक्षा योजनांतर्गत एनसी पंजीकरण कम होने पर एमओआईसी व बीपीएम महरौनी को कड़ी चेतावनी दी गई, एनसीडी स्क्रीनिंग कम होने पर एमओआईसी बिरधा एवं तालबेहट को सुधार के निर्देश तथा विभिन्न पैरामीटर्स पर लगातार खराब प्रदर्शन के कारण एमओआईसी जखौरा को आगामी दो माहों में प्रगति सुधारने व अन्यथा की स्थिति में प्रशासनिक कार्य से हटाने एवं जखौरा बीपीएम को पूर्व तैनाती स्थल पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। आशा भुगतान की कम प्रगति पर एमओआईसी व बीपीएम को कार्य में सुधार की कड़ी चेतावनी दी गई।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर पर अभियान की प्रगति संतोषजनक न होने पर विकासखंड बिरधा, महरौनी, बार एवं जखौरा के चिकित्साधिका को कड़ी फटकार लगाते हुए जिलाधिकारी ने प्रगति सुधारने की चेतावनी दी। साथ ही

आयुष्मान भारत जन अरोग्य योजना में खराब प्रगति पर सभी संबंधित कर्मचारियों का मानदेय प्रगति सुधरने तक आहरित न करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेंद्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, डीपीएम डॉ रजिया फिरोज, सभी एमओआईसी, डीएमओ सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा, छात्राओं से संवाद कर जानी समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात | पाली

एसडीएम पाली घनश्याम भारतीय ने तहसील पाली अंतर्गत ग्राम गौना कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन एवं आवासीय सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।एसडीएम ने कहा कि आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

मेडिकल कॉलेज के रैन बसेरे में मिले अज्ञात शव की नहीं हो सकी पहचान

ललितपुर। गुरुवार की सुबह-सुबह मेडिकल कॉलेज में बने रैन बसेरे के पास स्थित यात्री प्रतीक्षालय में करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिलने से परिसर में हड़कंप जैसी स्थिति रही। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक बुजुर्ग के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर मोर्चरी में रखवा दिया। बताया गया है कि उक्त बुजुर्ग काफी दिनों से इसी रैन बसेरे में रह रहा था और अस्पताल में ही संचालित होने वाले भोजनालय में खाना-पीना खाकर अपना भरण पोषण कर रहा था। कल रात को भी वह अस्पताल परिसर में टहल रहा था और फिर यही के यात्री प्रतीक्षालय में सो गया। इसके बाद सुबह वह मृत अवस्था में मिला। उसके पास से कोई ऐसा दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ, जिससे उसकी पहचान हो सके। फिर भी सदर कोतवाली पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी हुई है।

फसल की रखवाली कर घर लौटे किसान की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में कराया भर्ती

इलाज के दौरान मौत होने पर शव भेजा पोस्टमार्टम हाउस

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोंगरा खुर्द निवासी 63 वर्षीय आसाराम पुत्र हिरु बुधवार की देर शाम घर से खाना खाकर खेत पर फसल की रखवाली करने के लिए गया हुआ था। बताया गया है क्यों है रात करीब 10:00 बजे अपने खेत से घर लौट कर आया तो उसके सीने में दर्द हो रहा था। इस दौरान जब उसने अपने परिजनों को दर्द के बारे में बताया, तो वह तत्काल उसे लेकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरधा पहुंचे। सीएससी में प्राथमिक उपचार के दौरान किसान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बताया गया है कि मेडिकल कॉलेज में किसान का इलाज चल रहा था और इसी इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक किसान के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के पुत्र ने अपने पिता की हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका जताई है। बताया गया है कि मृतक पांच भाई और पांच बहन में सबसे बड़ा था और उसके दो पुत्र तथा दो पुत्रियां भी हैं।

नेहरू नगर की पाराशर कॉलोनी में बने मकान की छत पर किचन में आग लगने से मचा हड़कम

दमकल विभाग की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नेहरू नगर वार्ड नंबर 8 की पाराशर कॉलोनी में बने एक मकान में बुधवार की शाम अचानक आग लग गई, जिस कारण इलाके में हड़कंप जैसी स्थिति रही। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी में कड़ी मशक्कत के बाद पानी फेंक कर आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक हजारों का नुकसान हो चुका था। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं।

मिली जानकारी के अनुसार नेहरू नगर की पाराशर कॉलोनी में रहने वाले राम प्रकाश पुत्र कल्पेंद्र सिंह काली माता मंदिर के पास मकान बनाकर रहते हैं। बताया गया है कि मकान की दूसरी मंजिल पर एक रसोई बनी हुई है जहां उनका खाना बनता है। बुधवार की शाम अचानक उनकी रसोई से धुआं उठता देखा गया, तो इलाके में हड़कंप जैसी स्थिति रही। देखते ही देखते रसोई से आग की लपटें निकलने लगी, तो तत्काल इस घटना की सूचना डायल 112 पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पानी फेंक कर आग पर काबू पाया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक घर गृहस्ती का सामान जलकर खाक हो चुका था। बताया गया है कि घटना के समय नीचे की मंजिल में सिर्फ महिलाएं मौजूद थी, जबकि परिवार के लोग काम के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे। यह भी जानकारी मिली है कि धुआं उठता देख एक युवक उनकी छत पर गया और बाल्टियों से पानी फेंक कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन यहां पर लगी आग में उसके हाथ पैर और सिर के बाल झुलस गए, जिससे उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। परिजनों के अनुसार उनकी रसोई में रखा हुआ करीब 50,000 रुपये कीमत का खाने-पीने का सामान और अन्य घरेलू सामान जलकर खराब हो गया। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की तत्परता से इलाके में आगजनी की बड़ी घटना होने से बच गई।

जिला स्तरीय मार्गदर्शक शिक्षक कार्यशाला का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राष्ट्रीय विज्ञान एवं नवाचार परिषद द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित 32 वी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 के अंतर्गत गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज ललितपुर में जिला स्तरीय मार्गदर्शक शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया यह कार्यशाला सुबह 11:00 से 2:00 बजे तक चली कार्य शाला का उद्देश्य विद्यालयों में बाल विज्ञानियों को आधिकारिक सहभागिता सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को परियोजना और लघु शोध कार्य के लिए प्रभावी मार्गदर्शन हेतु शिक्षकों को तैयार करना रहा कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ रितेश खरे प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय ललितपुर में कहा कि बाल वैज्ञानिक दृष्टिकोण जिज्ञासा नवाचार और समस्या समाधान विकसित करने में मार्गदर्शन शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है उन्होंने स्थानीय समस्याओं पर आधारित वैज्ञानिक परियोजनाएं तैयार करने पर जोर दिया ललितपुर जनपद के समस्त विज्ञान शिक्षकों से निर्धारित समय पर सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की जिला समन्वयक शैलेंद्र श्रीमाली ने कहा की मुख्य विषय सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार के साथ पांच विषयों पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने स्थानीय समस्या के चयन और परियोजना निर्माण की विधि भी बताएं तथा पूर्व जिला समन्वयक जितेंद्र वेध प्रवक्ता ने अधिक से अधिक पंजीकरण और सहयोगिता के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया उन्होंने कहा यह यह मॉडल प्रतियोगिता नहीं बल्कि यह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता है इस प्रतियोगिता में लघु शोध किए जाते हैं तथा आंकड़ों का विश्लेषण एकत्रित कर भविष्य की योजना पर आधारित प्रोजेक्ट तैयार किया जाता है इसके उपरांत राजकीय इंटर कॉलेज के अमित शुक्ला ने कहा कि विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को इस कार्यक्रम में प्रभाव करना अनिवार्य है जिससे भविष्य में वैज्ञानिक की सोच एवं तर्क शक्ति बढ़ सके इस कार्यक्रम में सूर्यबली प्रसाद डॉक्टर रामाशंकर यादव आदि प्रशिक्षु ने प्रशिक्षण दिया तथा माध्यमिक विद्यालय के लगभग 67 अध्यापकों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और इस कार्यक्रम का सफल संचालन प्रियंका शिवहरे राजकीय इंटर कॉलेज ललितपुर सहायक अध्यापक ने किया।

बहन कु.मायावती पर अमर्यादित टिप्पणी के आरोप में बसपा ने एसपी को सौंपा शिकायती पत्र

» सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं जातिसूचक टिप्पणी का आरोप
» आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बहन कु. मायावती के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से अमर्यादित, अश्लील एवं जातिसूचक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर बसपा जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद अहिरवार एड. ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। बसपा जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर कृपाल सिंह पत्रकार नाम से किए गए एक पोस्ट पर ग्राम चमरउवा व हाल नेहरू नगर निवासी बृजभान सिंह यादव द्वारा बहन मायावती के संबंध में कथित तौर पर बेहद अमर्यादित एवं जातिसूचक टिप्पणी की गई। पत्र में कहा गया कि इस प्रकार की टिप्पणी से बसपा कार्यकर्ताओं तथा बहुजन समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और उनमें रोष व्याप्त है। बसपा जिलाध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि सोशल मीडिया पर की गई कथित टिप्पणी की जांच कर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए तथा मामले में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणियों से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका रहती है, इसलिए पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इससे पूर्व लीलाधर दुबे उर्फ कल्लू दुबे द्वारा अनुसूचित जाति के विरुद्ध कथित जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किए जाने के मामले में 18 अगस्त 2026 को भी एक आवेदन दिया जा चुका है। बसपा नेताओं ने लगातार सामने आ रही ऐसी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। बसपा जिला नेतृत्व ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की। शिकायती पत्र पर जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद एड., चन्द्रभान सिंह बेसरा, अमन संतोष, कपिल कुमार, संतोष अहिरवार, केहर सिंह गौतम, अभिषेक गौतम, मीना, लाखन सिंह, अंकुल, राकेश कुशवाहा, रामबिहारी, मो.फैय्याज, भूपेन्द्र सिरवैया, देवेन्द्र कुमार, संजय कुमार, श्यामा, अरविन्द भास्कर, राघवेन्द्र सिंह के अलावा अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैनिक पति पर शराब के नशे में पत्नी से मारपीट और घर का सामान ले जाने का आरोप

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के डैम रोड, पानी की टंकी आजादपुरा निवासी युवती ने भारतीय सेना में कार्यरत अपने पति पर शराब के नशे में घर में घुसकर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने तथा घर में रखा कीमती सामान, नकदी, आभूषण, वाहन और मूल शैक्षणिक दस्तावेज ले जाने का आरोप लगाया है। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। डैम रोड, पानी की टंकी आजादपुरा निवासी रागिनी पुत्री सुखनन्दन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 अगस्त 2026 की सुबह करीब सात बजे उसका परिचित व साथी मनोज सिंह पुत्र जशवीर सिंह निवासी भरतपुर, राजस्थान कथित रूप से अत्यधिक शराब के नशे में उसके घर आया। तहरीर के मुताबिक मनोज सिंह भारतीय सेना में कार्यरत है और वर्तमान में उधमपुर में तैनात है। शिकायत में उसकी यूनिट 874 एटी बीएन एएससी यूनिट बताई गई है। आरोप है कि घर में पहुंचते ही आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। आरोप है कि उसके सीने और पीठ पर प्रहार किए गए तथा विरोध करने पर उसका सिर दीवार से मार दिया गया, जिससे उसके सिर में चोट आई। इसके बाद आरोपी कथित रूप से जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। रागिनी के अनुसार, घटना के बाद जब वह करीब नौ बजे अपने घर पहुंची तो उसे घर का काफी सामान गायब मिला। आरोप है कि मनोज सिंह ने एक पिकअप वाहन यू.पी. 94 टी 9453 मंगवाकर घर का सामान उसमें रखकर ले गया। पुलिस को दी शिकायत में घर से ले जाए गए सामान में ओप्पो एफ 31 (5जी) मोबाइल फोन, एक्टिवा वाहन संख्या यू.पी. 94 ए.एफ. 3298 व उसके मूल दस्तावेज, गोदरेज की अलमारी, डबल बेड, सिंगल बेड, टेबल, कुर्सियां, पंखा, बूफर, फ्रिज, कूलर, इन्वर्टर और अन्य गृहस्थी का सामान शामिल होने की बात कही है। इसके अलावा शिकायत में सोने की चेन, अंगूठी, पायल और करीब छह ग्राम वजन के सोने के कान के आभूषण, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड तथा रागिनी के मूल शैक्षणिक दस्तावेज भी ले जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने घर में रखी करीब 70 से 80 हजार रुपये की नकदी और कपड़े भी गायब होने की बात कही है। तहरीर में रागिनी ने आरोप लगाया है कि मनोज सिंह ने अपनी पूर्व शादी की बात उससे छिपाई और लंबे समय तक उसे गुमराह किया।

मामा ढाबे पर पार्टी के लिए 5 हजार रुपये मांगने का आरोप

मना करने पर मारपीट व धमकी, आठ नामजद समेत अन्य पर मुकदमा

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के कसाई मंडी निवासी फिरोज कुरैशी पुत्र हफीज कुरैशी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह गत 18 अगस्त 2026 की रात करीब 10.30 बजे अपने मौसा बब्लू पुत्र हमीद, निवासी सदनशाह के साथ मसौरा बैरियर स्थित मामा ढाबा पर चाय पीने गया था। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद वीपी राजा पुत्र चाली राजा निवासी चौकाबाग, सनी यादव, मोन्टी पुत्र जाहिद, गिन्नै, शरीफ पुत्र सुभान, नीतेश यादव तथा नसीम पुत्र मुवीन निवासी गोविंदनगर सहित दो-तीन अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे। आरोपियों ने फिरोज कुरैशी से पार्टी के लिए पांच हजार रुपये की मांग की। जब उसने रुपये देने से इंकार कर दिया तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे उसके मौसा बब्लू के साथ भी मारपीट की गई, जिससे दोनों को शरीर पर चोटें आईं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और इसके बाद मौके से चले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191(2), 119(1), 352, 115(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार कार ने युवक को मारी टक्कर, गंभीर घायल

» कोर्ट के आदेश पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा
» सड़क किनारे टैक्सी का इंतजार कर रहे युवक को पीछे से मारी टक्कर
» 15 दिन मेडिकल कॉलेज में चला इलाज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र में नवीन गल्ला मंडी के पीछे ललितपुर रोड पर सड़क किनारे खड़े होकर टैक्सी का इंतजार कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस से कार्रवाई न होने पर पीड़ित के भाई ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने कार संख्या डीएल 4 सी.ए.एन. 5741 के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ग्राम जमुनिया थाना नाराहट निवासी एवं वर्तमान में लेखपाल कॉलोनी ललितपुर में रह रहे सावन्त सिंह पुत्र नेतराम सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके भाई मुलायम सिंह गत 11 मार्च 2026 को दोपहर करीब एक बजे नवीन गल्ला मंडी के पीछे ललितपुर रोड के किनारे घर जाने के लिए टैक्सी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान सागर की ओर से आ रही कार संख्या डीएल 4 सी.ए.एन. 5741 के अज्ञात चालक ने कथित रूप से तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए मुलायम सिंह को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद सदू खां, देशराज, दीपक सहित अन्य लोगों ने घायल युवक को एंबुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। शिकायत के अनुसार हादसे में मुलायम सिंह के कंधे और पैर में गंभीर चोटें आईं। पैर में तीन स्थानों पर फ्रैक्चर होने के साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें बताई गईं। परिजनों के अनुसार, गंभीर हालत में मुलायम सिंह का मेडिकल कॉलेज में करीब 15 दिनों तक उपचार चला। शिकायतकर्ता सावन्त सिंह का आरोप है कि उन्होंने दुर्घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक, ललितपुर को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से तथा व्यक्तिगत रूप से भी सूचना देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं होने पर उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश के बाद थाना कोतवाली पुलिस ने कार संख्या डीएल 4 सी.ए.एन. 5741 के अज्ञात चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 एवं 125(बी) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

» ब्राह्मण महासभा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन
» सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने और पुतला दहन का लगाया आरोप
» निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य लीलाधर दुबे उर्फ कुल्लू के खिलाफ दर्ज मुकदमे को फर्जी बताते हुए उसे निरस्त करने की मांग की है। महासभा ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग भी की। ज्ञापन में महासभा की ओर से आरोप लगाया गया कि एक नेता द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर एआई का उपयोग कर अनर्गल एवं आपत्तिजनक सामग्री वायरल की जा रही है। संगठन का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से सामाजिक सौहार्द बिगाडऩे का प्रयास किया जा रहा है। महासभा ने आरोप लगाया कि 18 अगस्त 2026 को घंटाघर पर कुछ लोगों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा उनका पुतला दहन किया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि उनके फोटो पर चप्पल मारकर अपमान किया गया। संगठन ने जिलाधिकारी से जखौरा थाने में दर्ज मामले की निष्पक्ष एवं निष्पक्षता से जांच कराने की मांग की है। साथ ही उक्त युवक तथा घंटाघर पर कथित रूप से अपमानजनक कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई है। महासभा ने चेतावनी दी कि यदि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई और प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस नहीं लिया गया, तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन पर जिलाध्यक्ष सूर्यप्रकाश बिदुआ, राज्यवर्धन सिंह, देवेन्द्र पचौरी, अमरेश राव, गोपाल चौबे सहित संगठन के कई पदाधिकारियों एवं सदस्यों के हस्ताक्षर बताए गए हैं।

तुलसीदासजी का साहित्य भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का दर्पण

» काव्य साधना मंच के तत्वावधान में तुलसी जयंती पर पूजन
» विचार गोष्ठी एवं सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी की जन्म जयंती के पावन अवसर पर साहित्यिक संस्था काव्य साधना मंच के तत्वावधान में पूजन, विचार गोष्ठी एवं सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन शिक्षण कोचिंग परिसर में किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों एवं कवियों ने गोस्वामी तुलसीदासजी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत के विद्वान पं. अखिलेश मालवीय एवं इं. हाकिम सिंह लोधी ने मां शारदे तथा गोस्वामी तुलसीदासजी के चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों एवं साहित्यकारों ने चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन-वंदन किया। गीतकार अखिलेश शांडिल्य अखिल ने मां शारदे की वंदना प्रस्तुत की। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने गोस्वामी तुलसीदासजी के जीवन एवं साहित्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि तुलसीदासजी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति, आदर्श जीवन मूल्यों, मर्यादा, भक्ति और लोककल्याण का संदेश समाज तक पहुंचाया। रामचरितमानस सहित उनकी रचनाएं आज भी जनमानस को नैतिकता, सदाचार और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। कार्यक्रम के अगले चरण में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें संस्था के संरक्षक विनोद शर्मा, अध्यक्ष सुदेश सोनी, पुरुषोत्तम नारायण पस्तोर, वीरेंद्र विद्रोही, कृष्ण कुमार पाठक, पंकज अंगार, रविंद्र दिवाकर, मंजू कटारे, बाल मुकुंद सोनी, आकाश जैन एवं संजय सदर ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का काव्य पाठ कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कवियों की रचनाओं पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आत्माराम रिछारिया, बृजमोहन संज्ञा, अखिलेश गोस्वामी, सत्यनारायण शुक्ला, शैलेंद्र सिंघई, दिनेश सिंह राजपूत, विकास रावत, पंकज कुशवाहा, मोनू राजपूत, देवेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। अंत में प्रबल प्रताप सिंह ने उपस्थित अतिथियों, साहित्यकारों, कवियों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प के साथ हुआ।

मानव जीवन में कल्याणकारी है तुलसीदासजी का साहित्य : मानस मराल

» परमहंस मंदिर में श्रद्धा के साथ मनाई गई गोस्वामी तुलसीदासजी की जयंती
» मानस मर्मज्ञ ने रामचरितमानस की महत्ता पर डाला प्रकाश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

परमहंस मंदिर में गोस्वामी तुलसीदासजी की जयंती श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस दौरान प्रयागराज से आए मानस मर्मज्ञ मानस मराल ने तुलसीदासजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मानस मराल ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदासजी द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस आदर्श जीवन का मार्गदर्शन करने वाला तथा मानव जीवन के लिए कल्याणकारी ग्रंथ है। बाबा तुलसीदासजी ने प्रभु श्रीराम की भक्ति का अत्यंत सरल एवं सहज रूप में वर्णन किया, जिसे सामान्य व्यक्ति भी आसानी से समझ और आत्मसात कर सकता है। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस की प्रत्येक चौपाई में जीवन को सही दिशा देने वाला कोई न कोई मंत्र छिपा हुआ है। इसमें ज्ञान और भक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। मानस मराल ने रामचरितमानस के अनेक गूढ़ रहस्यों एवं प्रसंगों की व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को उसके आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक महत्व से परिचित कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने तुलसीदासजी के साहित्य और श्रीराम की भक्ति से जुड़े विचारों को श्रद्धापूर्वक सुना। वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गोविंद नारायण रावत, पं.रमेश पाठक, श्रीहनुमान जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष ब्रजेश चतुर्वेदी, बद्री पाठक, चंद्रशेखर राठौर, राजकुमार राठौर, सेवानिवृत्त ए.ई. एनपी सैनी, ब्रजेश तिवारी, विवेक चौपड़ा, आशु सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं जिज्ञासु मौजूद रहे। कार्यक्रम में पं.श्याम बिहारी मिश्र, बालकृष्ण पांडे और राजीव कुमार दुबे ने संगीतमयी प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उपस्थित लोगों ने भक्ति संगीत का आनंद लिया।

3531 किसानों को मिलेगा माइक्रो इरीगेशन का लाभ, 1168.49 लाख रुपये का बजट

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति एवं जिला औद्यानिक मिशन समिति की बैठक गुरुवार को जिला उद्यान अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 में संचालित होने वाली विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाओं के लक्ष्यों एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने योजनाओं का अनुमोदन भी प्रदान किया।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत 16 कार्यक्रमों में 139 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए 30.34 लाख रुपये का परिव्यय रखा गया है। इनमें मशरूम उत्पादन, अजवाइन, जीरा एवं धनिया जैसे बीजीय मसालों की खेती, स्ट्रॉबेरी, गुलाब, रोजमेरी, हल्दी-अदरक की खेती के साथ मल्चिंग, मचान, फेंसिंग, खेत तालाब और लाइट ट्रैप आदि शामिल हैं। वहीं पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना के तहत 4414 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1168.49 लाख रुपये का परिव्यय तय किया गया है। योजना से करीब 3531 किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक मिशन के तहत नौ कार्यक्रमों में 39 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसमें बेर एवं अमरूद के बाग, संकर सब्जी की खेती, फेंसिंग, वर्मी बेड, पावर टिलर एवं पावर स्प्रेयर आदि शामिल हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति क्षेत्र में औद्यानिक विकास के लिए आठ कार्यक्रमों में 37.5 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है। इन योजनाओं का लाभ केवल अनुसूचित जाति एवं जनजाति के किसानों को दिया जाएगा। बैठक में बताया गया कि बुन्देलखण्ड-विन्ध्य क्षेत्र में औद्यानिक विकास योजना के लिए अभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं, जबकि 50 हेक्टेयर में नवीन उद्यान रोपण के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने वाले कृषक एवं उद्यमियों को मशीनरी की इकाई लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 10 लाख रुपये तक अनुदान दिया जा सकता है। बैठक में जिला विकास अधिकारी ने विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किसानों की फोटो एवं वीडियो प्रदर्शित करने के साथ उन्हें बैठकों में आमंत्रित करने के निर्देश दिए। कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक ने जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उप कृषि निदेशक ने पॉली हाउस के आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान कृषक हरनाम सिंह ने मल्टी लेयर कृषि, ग्राम उत्तमधाना के ग्याप्रसाद ने नींबू के बाग तथा ग्राम टोडी के रामबहादुर ने अपने मावा-खोवा प्लांट के बारे में जानकारी साझा की। अंत में समिति के सदस्यों ने वर्ष 2026-27 में संचालित होने वाली योजनाओं का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। जिला उद्यान अधिकारी रोजन्द्र कुमार ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ऊर्जाधानी एक्सप्रेस में यात्री का आईफोन चोरी, जीआरपी में मुकदमा दर्ज, ललितपुर स्टेशन के पास ट्रेन में यात्री को पता चला फोन गायब

ललितपुर। चलती ट्रेन में सफर कर रहे यात्री का महंगा आईफोन चोरी होने का मामला सामने आया है। गाड़ी संख्या 22168 ऊर्जाधानी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान यात्री की जेब से आईफोन गायब हो गया। सुबह जब यात्री की नींद खुली तो फोन नहीं मिला। उस समय ट्रेन ललितपुर रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी। शिकायत पर जीआरपी ललितपुर ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कटनी, मध्य प्रदेश के सोनी बगीचा गायत्री नगर निवासी मनीष कुमार कुशवाहा पुत्र भरत लाल कुशवाहा ने जीआरपी में दी शिकायत में बताया कि वह 23 जुलाई 2026 को गाड़ी संख्या 22168 ऊर्जाधानी एक्सप्रेस से हजरत निजामुद्दीन से कटनी मुड़वारा की यात्रा कर रहे थे। वह ट्रेन के एस-02 कोच की सीट संख्या 40 पर सवार थे। रात करीब 12 बजे फरीदाबाद स्टेशन के बाद उन्होंने अपना आईफोन 12, सफेद रंग, जिसकी कीमत करीब 70,900 रुपये बताई गई है, जेब में रखा और सो गए। मनीष कुमार के मुताबिक, सुबह करीब 6.30 बजे जब उनकी नींद खुली तो जेब में रखा आईफोन गायब था। उस समय ट्रेन ललितपुर रेलवे स्टेशन से निकल रही थी। काफी तलाश करने के बावजूद मोबाइल का पता नहीं चल सका। इसके बाद यात्री ने ट्रेन में मोबाइल चोरी होने की सूचना रेलवे हेल्पलाइन 139 पर देकर शिकायत दर्ज कराई। रेलवे हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद मामला जीआरपी अनुभाग झांसी के अंतर्गत जीआरपी थाना ललितपुर पहुंचा। पुलिस ने यात्री की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के साथ देखा ईवीएम वेयरहाउस

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार व्यवस्थाएं मिलीं दुरुस्त

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश ने गुरूवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विकास भवन परिसर में स्थापित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक बाह्य निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि ईवीएम भण्डार कक्ष में ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा में विधानसभावार सुरक्षित रखा गया है, वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी है। इस पर निर्देश दिये गए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम वेयर हाउस में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जायें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार, निर्वाचन कार्यालय के प्रधान सहायक धमेन्द्र मोर्या, चकबंदी अधिकारी फहरत खान तथा राजनैतिक दलों में जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी हरदयाल सिंह लोधी, जिलाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी जानकी प्रसाद, जिलाध्यक्ष अपना दल आईटी सेल सुरेन्द्र पटेल एवं जिला निर्वाचन कार्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

संक्षिप्त खबरें

एनएच-44 की भूमि पर अतिक्रमण का आरोप

ललितपुर | नेशनल हाईवे-44 की भूमि पर कथित अतिक्रमण किए जाने की शिकायत जिला प्रशासन से की गई है। तालाबपुरा निवासी रामबाबू चौबे ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की जांच कराने तथा यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, 7 जनवरी 2026 को वह नेशनल हाईवे-44 से झांसी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हाईवे की बाईं ओर संस्कृति बिल्डर्स एम.के. इंटरप्राइजेज का कारोबार संचालित होता दिखाई दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उक्त प्रतिष्ठान द्वारा कथित रूप से हाईवे की भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। रामबाबू चौबे ने प्रशासन से मांग की है कि शिकायत का संज्ञान लेकर संबंधित विभागों से भूमि की जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित निर्माण अथवा व्यावसायिक गतिविधि सरकारी अथवा हाईवे की भूमि पर तो नहीं है। यदि जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद इसकी सूचना भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकें।

ट्रैक मरम्मत के चलते चार दिन बंद रहेगा रेलवे क्रॉसिंग 328सी

ललितपुर | उत्तर मध्य रेलवे के ललितपुर रेलखंड में ट्रैक की आवश्यक मरम्मत के चलते बम्हौरी-ललितपुर मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 328सी को चार दिनों के लिए बंद किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के इस निर्णय से इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वरिष्ठ खंड अभियंता (रेल पथ) की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार जीरोन-ललितपुर रेलखंड के मध्य स्थित समपार संख्या 328सी, किमी 1031/2-4 डाउन रोड पर ट्रैक की अति आवश्यक मरम्मत का कार्य प्रस्तावित है। इसके चलते 20 से 23 अगस्त 2026 तक उक्त रेलवे क्रॉसिंग से सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। रेलवे प्रशासन ने आमजन एवं वाहन चालकों से अपील की है कि क्रॉसिंग बंद रहने की अवधि में आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। रेल प्रशासन ने मरम्मत कार्य को निर्धारित समय में पूरा कराने तथा कार्य के दौरान यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन से आवश्यक सहयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

मनरेगा में रोजगार, जॉब कार्ड और बेरोजगारी भत्ते की मांग को लेकर मजदूरों ने सौंपा ज्ञापन

» स्वाभिमानी मजदूर संगठन ने एडीएम को जिलाधिकारी के नाम दिया ज्ञापन

» पंचायत स्तर पर काम बंद कराने और भुगतान में देरी समेत कई समस्याएं उठाईं

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विभिन्न विकासखंडों के मजदूर परिवारों की समस्याओं को लेकर स्वाभिमानी मजदूर संगठन (स्मूस्) के माध्यम से मजदूर प्रतिनिधियों ने गुरुवार को जिलाधिकारी के नाम अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मनरेगा के तहत नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराने, नए जॉब कार्ड बनाने, बेरोजगारी भत्ता दिलाने तथा कार्यस्थलों पर मजदूरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। संगठन का आरोप है कि मजदूर परिवारों द्वारा नियमानुसार रोजगार की मांग के लिए आवेदन देने के बावजूद कई विकासखंडों में उन्हें समय से रोजगार, जॉब कार्ड एवं बेरोजगारी भत्ता उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। प्रतिनिधियों ने इन समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि कई स्थानों पर रोजगार सेवक एवं सचिव द्वारा मजदूरों से काम के मांगपत्र और नए जॉब कार्ड के आवेदन नहीं लिए जाते। संगठन ने सभी विकासखंडों के पात्र मजदूर परिवारों को नियमानुसार रोजगार, जॉब कार्ड और बेरोजगारी भत्ता उपलब्ध कराने की मांग की। मजदूरों ने कार्यस्थलों पर मस्टररोल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की मांग की। संगठन ने कहा कि नेटवर्क की समस्या के कारण यदि किसी मजदूर की ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज नहीं हो पाती है तो उसे कार्यस्थल से वापस न भेजा जाए। ऐसे मामलों में मस्टररोल पर हस्ताक्षर तथा ग्रुप फोटो के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ पंचायतों में एपीओ और बीडीओ को आवेदन देने के बाद काम शुरू तो कराया जाता है, लेकिन दो-तीन दिन बाद पंचायत स्तर से कार्य बंद करा दिया जाता है। संगठन ने ऐसी स्थिति की जांच कर मजदूरों को लगातार नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। मजदूर प्रतिनिधियों ने महरौनी विकासखंड की ग्राम पंचायत खटोरा का मामला भी उठाया। संगठन के अनुसार यहां करीब सात माह से रोजगार नहीं मिलने के कारण मजदूर परिवारों के सामने पलायन की स्थिति उत्पन्न हो गई है। संगठन ने दावा किया कि करीब 40 मजदूर परिवारों का 25 दिसंबर 2025 से 30 जुलाई 2026 तक का बेरोजगारी भत्ता, कुल 9,82,800 रुपये, लंबित होने की शिकायत है। संगठन ने मामले की जांच कर पात्र मजदूर परिवारों को नियमानुसार बेरोजगारी भत्ता दिलाने की मांग की। मजदूरों ने काम कराने के बाद समय से भुगतान नहीं होने की समस्या भी ज्ञापन में उठाई। उनका कहना है कि मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होने से मजदूर परिवारों को घर चलाने में परेशानी होती है। संगठन ने निर्धारित समय पर भुगतान कराने तथा देरी होने की स्थिति में नियमानुसार विलंब भुगतान दिलाने की मांग की। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि ब्लॉक स्तर पर काम का आवेदन देने जाने वाले मजदूरों को कुछ स्थानों पर रोजगार सेवक और प्रधान द्वारा घर जाकर धमकाया जाता है, जबकि सचिव द्वारा एफआईआर कराने की धमकी दिए जाने की शिकायत की गई। संगठन ने मजदूरों को बिना भय के रोजगार मांगने की सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की। स्वाभिमानी मजदूर संगठन ने प्रशासन से सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच कर पात्र मजदूर परिवारों को नियमानुसार उनके अधिकार दिलाने और समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराने की मांग की। संगठन ने स्पष्ट किया कि आंदोलन शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से किया गया है। समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं होने पर आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखने की बात कही गई।

मारपीट में घायल युवक की मौत के बाद हत्या का मुकदमा, पांच वांछित गिरफ्तार

» विरोध करने पर सिर में पत्थर मारने से घायल हुआ था युवक

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कोतवाली पुलिस ने मारपीट के दौरान गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान हुई मौत के मामले में वांछित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। सभी आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। बीती 10 अगस्त 2026 को थाना कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने एक राय होकर उसकी पुत्री और बहनोई झरकौन निवासी अभय सिंह पुत्र मगन सिंह को रास्ते में रोक लिया और अवैध पैसों की मांग की। आरोप है कि अभय सिंह द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर पत्थर मार दिया। गंभीर चोट लगने से अभय सिंह मौके पर बेहोश हो गया। घायल अभय सिंह को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार उपचार के दौरान झांसी में करीब 30 वर्षीय अभय सिंह की मौत हो गई। इसके बाद दर्ज मुकदमे में धारा 103(1) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में पांच पुलिस टीमों का गठन किया था। गठित टीमों ने कार्रवाई करते हुए पांचों वांछित आरोपियों को 20 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में झरकौन निवासी मीर सिंह पुत्र जोरावल, मनोहर सिंह पुत्र जोरावल, म.प्र. जिला अशोकनगर के थाना पिपरई अंतर्गत ग्राम करं निवासी बृषभान पुत्र मोजीलाल, अशोकनगर के थाना मुंगावली अंतर्गत ग्राम ठठखेड़ा हाल निवासी थाना सहराई के ग्राम तपोवन निवासी राहुल व आशीष उर्फ छोटू पुत्रगण रामदास लोधी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में मु.अ.सं. 863/2026 के तहत धारा 191(2), 109, 103(1), 119(1), 352, 115(2), 126(2) और 61(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। कार्रवाई एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह तथा सीओ सदर के निकट पर्यवेक्षण में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी व मय पुलिस टीम शामिल रही।

26 अगस्त से फल-सब्जी व्यापारी लाइसेंस सरेंडर कर बंद करेंगे कारोबार

» अमरपुर मंडी में कथित उत्पीड़न और अनियमितताओं का आरोप

» विरोध में फल एवं सब्जी व्यापारी कल्याण समिति ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अमरपुर स्थित फल एवं सब्जी मंडी में व्याप्त समस्याओं और मंडी प्रशासन के कथित मनमाने रवैये के विरोध में फल एवं सब्जी व्यापारी कल्याण समिति ने मोर्चा खोल दिया है। समिति ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो 26 अगस्त 2026 से व्यापारी सामूहिक रूप से अपने लाइसेंस सरेंडर कर कारोबार बंद करने को मजबूर होंगे। व्यापारी समिति का कहना है कि फल एवं सब्जी मंडी को अमरपुर में स्थानांतरित किए जाने के बाद से व्यापारी लगातार विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि मंडी अधिकारियों द्वारा निर्धारित नियमों के विपरीत मनमाने तरीके से कार्रवाई की जा रही है और व्यापारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। समिति के अनुसार मंडी अधिकारियों के रवैये से व्यापारियों को मानसिक परेशानी के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

व्यापारियों ने ज्ञापन में बताया कि अमरपुर मंडी में स्थानांतरण के बाद से अब तक उनके लाइसेंसों का नवीनीकरण नहीं किया गया है। इसके अलावा 1 और 2 जुलाई 2026 को लाटरी के माध्यम से दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया में भी व्यापारियों ने कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। समिति का आरोप है कि वर्षों से कारोबार कर रहे पुराने व्यापारियों की अपेक्षा नए लोगों को दुकानों के आवंटन में प्राथमिकता दी गई। व्यापारियों ने पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और पुराने व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें कई मामलों में मौखिक आदेशों के माध्यम से निर्देश दिए जा रहे हैं। समिति ने प्रशासन से मांग की है कि व्यापारियों को दिए जाने वाले सभी निर्देश लिखित रूप में जारी किए जाएं, ताकि स्थिति स्पष्ट रहे और किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। व्यापारियों ने मंडी को स्थानांतरित करते समय दिए गए पूर्व आश्वासनों को पूरा करने की भी मांग की है। फल एवं सब्जी व्यापारियों ने अमरपुर मंडी स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि मंडी शहर से काफी दूर होने के कारण व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों ने प्रशासन से मंडी स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा व्यापार को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कराने की मांग की। फल एवं सब्जी व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष मुहम्मद जमा राईन और महासचिव रघुवीर कुशवाहा ने कहा कि मंडी प्रशासन के कथित अनुचित व्यवहार के कारण व्यापारियों को लगातार आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का विधिवत समाधान और उचित मार्गदर्शन नहीं मिलने की स्थिति में उनके पास लाइसेंस सरेंडर कर कारोबार बंद करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। समिति ने प्रशासन से मांग की है कि 26 अगस्त से पहले सभी समस्याओं का समाधान कर व्यापारियों को राहत दी जाए, ताकि मंडी में फल एवं सब्जी का कारोबार सुचारु रूप से जारी रह सकें।

ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग युवक ने फांसी लगाकर दी जान

» मृतक के कमरे से मिला सुसाइड नोट

» पिता की तहरीर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना तालबेहट क्षेत्र के चौबयाना वार्ड नंबर-01 में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने पत्नी समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के पिता ने आरोप लगाया है कि उनका पुत्र पत्नी और ससुराल पक्ष की कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान था। घटना के बाद कमरे से एक सुसाइड नोट मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौबयाना वार्ड नंबर-01, कस्बा एवं थाना तालबेहट निवासी दिलीप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके 32 वर्षीय पुत्र ऋषिराज सिंह का विवाह 26 जून 2018 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार रश्मि पुत्री पूरन सिंह निवासी धौजरी, थाना जाखलौन के साथ हुआ था। पिता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही रश्मि उनके पुत्र को मानसिक रूप से परेशान करने लगी थी। आरोप है कि वह आए दिन बिना बताए मायके चली जाती थी, जिसके कारण दोनों के बीच विवाद होता रहता था। दिलीप सिंह के अनुसार, जब उनका पुत्र पत्नी को लेने उसके मायके जाता था तो वहां रश्मि, उसके पिता पूरन सिंह पुत्र रघुराज सिंह और उसके भाई अंशुल पुत्र पूरन सिंह कथित रूप से ऋषिराज के साथ अभद्र व्यवहार करते और उसे अपमानित करते थे। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपित उससे कहते थे कि हम लोगों को तुझसे कोई मतलब नहीं है, तू आत्महत्या कर ले और अपना मुंह कभी मत दिखाना। पिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष की कथित लगातार प्रताड़ना और दबाव से उनका पुत्र मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 11 अगस्त 2026 की रात करीब 11 बजे ऋषिराज सिंह ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर तालबेहट पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई। मृतक के कमरे से एक सुसाइड नोट मिलने की बात भी तहरीर में कही गई है, जिसमें ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना का उल्लेख होने का दावा किया गया है। पुत्र की मौत से दुखी पिता द्वारा कुछ समय बाद पुलिस को तहरीर दी गई। इसके आधार पर थाना तालबेहट पुलिस ने 19 अगस्त 2026 को मृतक की पत्नी रश्मि, ससुर पूरन सिंह और साले अंशुल के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

क्षत्रिय महासभा ने शोक सभा कर जताया दुख

ललितपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक कार्यालय पर जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह परमार की अध्यक्षता में शोक सभा के रूप में हुई। इसमें महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर सिंह कुशवाह के ज्येष्ठ पुत्र देवेंद्र सिंह राजावत तथा ब्लॉक अध्यक्ष मड़ावरा नारायण सिंह सेंगर के चाचा भवानी सिंह सेंगर गंगचारी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

नाराहट पुलिस की कार्रवाई

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के मामले में दो वांछित गिरफ्तार

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को भी दबोचा

ललितपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नाराहट पुलिस ने गुरुवार को अलग-अलग मामलों में तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के मामले में दो आरोपियों तथा नाबालिग से दुष्कर्म के अभियोग में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। थाना नाराहट में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 175/2026 में धारा 108 बीएनएस एवं 3(2)(व्ही) एससी/एसटी एक्ट के तहत वांछित ग्राम डोंगराखुर्द व डोंगराकलां निवासी सीताराम पुत्र हरलाल विश्वकर्मा तथा पूरन लाल पुत्र हरलाल विश्वकर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मामले के वादी डोंगराखुर्द निवासी निर्भान पुत्र ग्यासी बसोर ने 5 अगस्त 2026 को थाना नाराहट में तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि दोनों अभियुक्त उसके भाई जोधन द्वारा पूर्व में दर्ज कराए गए मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि इसी से परेशान होकर जोधन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों वांछित आरोपियों को 20 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। वहीं, थाना नाराहट पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के अभियोग में वांछित गोलू सहरिया पुत्र सुखलाल, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम बरखिरिया, थाना बार, जनपद ललितपुर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी थाना नाराहट में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 03/2026 में धारा 137(2)/65(1) बीएनएस तथा धारा 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित था। पुलिस ने आरोपी को 20 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया। यह कार्रवाई एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह और सीओ पाली राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में की गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना नाराहट थानाध्यक्ष दयाशंकर सिंह मय पुलिस टीम शामिल रही।

अखंड ब्राह्मण महासभा ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

मुकदमे को षड्यंत्रकारी बताते हुए सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई की उठाई मांग

ललितपुर। अखंड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जिला पंचायत सदस्य पं. लीलाधर दुबे (कुल्लू महाराज) पर थाना जखौरा में दर्ज मुकदमे की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की।

महासभा ने मुकदमे को फर्जी एवं षड्यंत्रकारी बताते हुए आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर जातीय वैमनस्य एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन ने ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही ग्राम चिगलौआ के पूर्व प्रधानाध्यापक स्व. राजाराम गोस्वामी से जुड़े पूर्व प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि मनगढ़ंत आरोपों से समाज में आक्रोश व्याप्त है। महासभा ने स्पष्ट किया कि संगठन सभी जातियों का सम्मान करता है और पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाने की मांग करता है। ज्ञापन देने वालों में मौसम नायक, दीपक नायक, शानू पाठक, ऋतु शर्मा, राहुल शुक्ला, प्रमोद कांकर, गोपाल दुबे, नीरज गगेले, सौरभ दुबे, सुनील विदुआ, अजित नायक, सौरभ कौशिक, मोनू तिवारी, राहुल तिवारी, संजू पटेरिया सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाराहट के मुख्य बाजार में जलभराव से निजात की मांग

दर्जनों ग्रामीणों ने राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन, नालियों को अतिक्रमण मुक्त कर स्थायी जल निकासी व्यवस्था की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात | मड़ावरा

विकासखंड मड़ावरा की ग्राम पंचायत नाराहट के मुख्य बाजार में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बाजार की नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

यह मांग भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, मंडल महामंत्री शिवम सोनी एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष नितेश राठौर के नेतृत्व में रखी गई। मांग पत्र पर सैकड़ों ग्रामवासियों ने हस्ताक्षर कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए शासन-प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की अपील की।

ग्रामीणों के अनुसार, नाराहट के मुख्य मार्केट में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। इससे दुकानदारों, ग्रामीणों, क्षेत्रवासियों एवं राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क पर पानी जमा रहने से व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि मार्केट के दोनों ओर बनी नालियों पर कथित रूप से अतिक्रमण होने के कारण पानी की निकासी बाधित है। बारिश का पानी नालियों से निकलने के बजाय सड़क पर जमा हो जाता है। उन्होंने राज्य मंत्री से नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराकर उनकी सफाई एवं उचित जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में हारुण खान, शकील खान, सौरभ गुप्ता, कौशल कुशवाहा, विवेक ताममाकर, मदन राठौड़, राजकुमार खटीक, नंदलाल कुशवाहा, रामगोपाल विश्वकर्मा, घनश्याम दास सोनी, सोनू राठौर, उदल कुशवाहा, कार्तिक गुप्ता, बालमुकुंद कुशवाहा, हरि सिंह कुशवाहा, अशोक कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

बारिश में गरीब महिला का घर ढहा, शासन-प्रशासन से मदद की गुहार

मध्य रात्रि में भरभराकर गिरी घर की दीवार, सामान भी हुआ खराब; पैर से दिव्यांग है पीड़ित महिला

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

थाना महरौनी क्षेत्र के ग्राम लरगन में लगातार हो रही बारिश के चलते एक गरीब महिला का कच्चा मकान क्षतिग्रस्त होकर धराशायी हो गया। मध्य रात्रि में अचानक घर की पिछली दीवार भरभराकर गिर गई, जिसके बाद पूरा मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के चलते घर में रखा गृहस्थी का सामान भी खराब हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लरगन निवासी गुड्डी बाई पत्नी सुख सिंह का मकान लगातार बारिश के कारण कमजोर हो गया था। देर रात घर की पिछली दीवार अचानक गिरने से मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि मध्य रात्रि में हुई इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

पीड़ित महिला के अनुसार घर क्षतिग्रस्त होने से उसके सामने रहने और गृहस्थी का सामान सुरक्षित रखने का संकट खड़ा हो गया है। बताया गया कि प्रार्थिनी पैर से दिव्यांग भी है, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई है। पीड़ित महिला ने शासन-प्रशासन से तत्काल मामले का संज्ञान लेते हुए मौके का निरीक्षण कराकर आर्थिक सहायता एवं आवासीय मदद उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है, ताकि उसे बारिश के बीच सुरक्षित आश्रय मिल सके।

नौकरी का झांसा देकर युवक से एक लाख की ऑनलाइन ठगी

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम गौना निवासी एक युवक को नौकरी दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अज्ञात साइबर ठग ने नौकरी का भरोसा दिलाकर अलग-अलग ट्रांजैक्शन के माध्यम से युवक से कुल एक लाख रुपये ऑनलाइन ठग लिए। पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद मामला नाराहट थाने को स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने अब अज्ञात मोबाइल उपयोगकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम गौना, थाना नाराहट निवासी महेंद्र पुत्र शिवगोपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 7 अप्रैल 2026 को एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोप है कि नौकरी लगवाने के नाम पर आरोपी ने उससे अलग-अलग माध्यमों से रुपये जमा कराने को कहा। आरोपी के झांसे में आकर उसने विभिन्न ट्रांजैक्शन के माध्यम से रकम भेज दी। इस तरह उसके साथ ऑनलाइन कुल 1,00,000 रुपये की ठगी हो गई। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ठगी की रकम में विभिन्न ट्रांजैक्शन शामिल हैं। इनमें ट्रांजैक्शन आईडी के माध्यम से 20 हजार रुपये, 30 हजार रुपये, 20 हजार रुपये और 10 हजार रुपये। इसके अतिरिक्त भी अन्य ट्रांजैक्शन प्रविष्टियां शामिल होने की बात शिकायत में कही गई है।

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल में चोरी के मामले में 03 अभियुक्त गिरफ्तार, ऑक्सीजन पाइप के टुकड़े बरामद

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत सदर अस्पताल में 17 अगस्त को हुई चोरी की घटना के संबंध में पंजीकृत धारा 305/317(2) बीएनएस से संबंधित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 20 अगस्त को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा चौकी सदर अस्पताल क्षेत्र में देखभाल क्षेत्र के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर ग्रीन वार्ड के पास से 03 अभियुक्तों नसीर पुत्र जहीर निवासी विवेक नगर, राम बाबू निवासी सदर बाजार एवं राजू उर्फ बिल्ला निवासी सहोदरपुर पूर्वी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त नसीर के कब्जे से चोरी किए गए ऑक्सीजन पाइप के टुकड़े बरामद हुए।

लाभांश बढ़ने से कोटेदारों में खुशी

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार ने उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इससे कोटेदारों में खुशी है। कोटेदार संघ के उसका ब्लॉक के अध्यक्ष राजनारायण पाण्डेय ने कहा की इससे कोटेदारों को आर्थिक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग का ध्यान रख रही है। लाभांश वृद्धि से कोटेदारों की आजीविका का संवर्धन हुआ है। नई ई-पॉस मशीनों और सिंगल-स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी से बिचौलिए खत्म हुए हैं। इससे वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है और लाभार्थियों को सीधा लाभ मिल रहा है। क्षेत्र के राजधर पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, मकसूद, संजय पासवान, उदयभान चौबे आदि कोटेदारों ने खुशी व्यक्त की है।

भदोही द्वारा मिशन शक्ति पोर्टल डाटा फीडिंग के संबंध में की गई समीक्षा बैठक

भदोही अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा मिशन शक्ति अभियान को गति देने के लिए ज्ञानपुर स्थित पुलिस लाइन सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक बुलाई गई। श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक (महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ) के आदेश के क्रम में यह बैठक आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य मिशन शक्ति पोर्टल फीडिंग की प्रगति और कार्यों की गहन समीक्षा करना है। मिशन शक्ति पोर्टल डाटा फीडिंग की प्रगति के संबंध में जनपद के समस्त थानों पर स्थापित 'मिशन शक्ति केंद्र' में नियुक्त सभी मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों और महिला व पुरुष कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश सरकार का मिशन शक्ति 5.0 पोर्टल, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों की ऑनलाइन ट्रैकिंग और डेटा फीडिंग के संबंध में जानकारी देते हुए बैठक को सुचारू रूप से संपन्न किया गया।

दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण मापन शिविर, 156 बच्चों का परीक्षण

बस्ती। समग्र शिक्षा के समेकित शिक्षा कार्यक्रम के तहत दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए एलिम्को कानपुर के सहयोग से बीआरसी विक्रमजोत में उपकरण मापन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 156 बच्चों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के आधार पर बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ट्राईसाइकिल, बैसाखी, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, आईडी-टीएलएम किट, हियरिंग एड और ब्रेल किट सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इन उपकरणों का वितरण 27 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। जिले में दो और उपकरण मापन शिविर आयोजित होंगे। 21 अगस्त को बीआरसी साऊघाट और 22 अगस्त को बीआरसी बहादुरपुर में शिविर लगाया जाएगा। शिविर में एलिम्को के कृत्रिम अंग विशेषज्ञ फैसल करीम, अखिलेश यादव, ऑडियोलॉजिस्ट बाल गोपाल, तकनीशियन विवेक कुमार और डाटा ऑपरेटर आकाश ने बच्चों का परीक्षण किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के निर्देश पर जिला समन्वयक सुनील कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। विशेष शिक्षकों और फिजियोथेरेपिस्ट अजय पांडेय ने सहयोग किया। बच्चों के ऑनलाइन यूडीआईडी पंजीकरण में ऋतु पांडेय और अभिषेक ने सहयोग दिया।

सोनभद्र में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जनपद के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर अवसर, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में निःशुल्क कोचिंग सेन्टर का शुभारंभ किया गया। राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गोंड ने कोचिंग का शुभारंभ कर छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर सफलता प्राप्त करने तक के अपने अनुभव साझा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में PSC, NEET, JE सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण, संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य मंत्री, समाज कल्याण संजीव कुमार गोंड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ऐसे प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी युवाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर प्रदान कर रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अपने भविष्य को नई दिशा देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण कोचिंग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्यार्थी इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं, नियमित कक्षाओं में प्रतिभाग करें और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर पूरी मेहनत से तैयारी करें। उन्होंने कहा कि संकल्प मजबूत हो और प्रयास निरंतर हों तो सफलता की राह में आने वाली बाधाओं को पार किया जा सकता है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं बिना कोचिंग के परीक्षा उत्तीर्ण की थी। जिलाधिकारी ने कहा कि कोचिंग मार्गदर्शन का एक माध्यम हो सकती है, लेकिन सफलता का वास्तविक आधार विद्यार्थी का स्वाध्याय, अनुशासन, सही रणनीति और निरंतर अभ्यास है। अभ्यर्थी सबसे पहले परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को अच्छी तरह समझें, सीमित एवं गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री का चयन करें और अपनी क्षमता के अनुरूप दैनिक अध्ययन की ठोस कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास करने, समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने तथा समय-समय पर अपनी तैयारी का स्वयं मूल्यांकन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दूसरे अभ्यर्थियों से तुलना करने के बजाय अपनी कमियों को पहचानकर उनमें निरंतर सुधार करें। लक्ष्य स्पष्ट रखें, स्वयं पर विश्वास रखें और हर दिन अपनी तैयारी को थोड़ा बेहतर बनाएं। सीमित संसाधन कभी भी सफलता की सीमा तय नहीं करते, आपका परिश्रम और दृढ़ संकल्प आपकी सफलता तय करता है। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने विद्यार्थियों के बीच अपने यू0पी0एस0सी0 की तैयारी के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने यू0पी0 एस0सी0 परीक्षा में द्वितीय रैंक प्राप्त की थी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि बड़ी सफलता किसी एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं होती, बल्कि प्रतिदिन पूरी ईमानदारी और निरंतरता से किए गए प्रयासों का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान विद्यार्थी अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें, लक्ष्य के अनुरूप समय-सारिणी बनाएं और उसका नियमित पालन करें। कठिन विषयों से बचने के बजाय उन पर अधिक मेहनत करें। असफलता या कम अंक मिलने पर निराश होने के बजाय उसका विश्लेषण कर अपनी तैयारी में सुधार करें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 'मेहनत और लगन का कोई विकल्प नहीं है। अपनी क्षमता पर विश्वास रखते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहें। सही दिशा में की गई नियमित मेहनत आपको निश्चित रूप से लक्ष्य के करीब ले जाएगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग एवं बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण एवं अवसर प्रदान करते हुए उन्हें सफलता की दिशा में आगे बढ़ाना है।

जनसुनवाई का असर, दिव्यांग रामवृक्ष को डीएम ने दी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी की जनसुनवाई में प्राप्त एक प्रकरण का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुए दिव्यांग श्री रामवृक्ष को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। दिनांक 09 जुलाई, 2026 को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम व पोस्ट पनारी, विकास खण्ड चोपन, तहसील ओबरा निवासी रामवृक्ष पुत्र विश्वनाथ ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया था कि वह दोनों पैरों से 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध न होने के कारण उन्हें दैनिक आवागमन एवं जीवन-यापन से जुड़े कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को श्री रामवृक्ष के अभिलेखों एवं पात्रता की जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सत्यापित करने को कहा कि उन्हें पूर्व में किसी अन्य योजना अथवा माध्यम से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध तो नहीं कराई गई है। जांच के उपरांत जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा रामवृक्ष को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए पात्र पाया गया तथा यह भी पुष्टि हुई कि उन्हें पूर्व में किसी अन्य माध्यम से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त नहीं हुई है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कलेक्ट्रेट परिसर मे सी0 एस0 आर0 मद से प्राप्त मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल रामवृक्ष को प्रदान की।

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से उनके दैनिक आवागमन में सुगमता आएगी तथा आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी जीवन की दिशा में उन्हें महत्वपूर्ण संबल मिलेगा। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त होने पर रामवृक्ष की आखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्होने जिलाधिकारी को इसके लिए धन्यवाद दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

जनसुनवाई में प्राप्त पात्र प्रकरणों का संवेदनशील एवं समयबद्ध निस्तारण जिला प्रशासन की प्राथमिकता- डी एम

छुट्टा पशुओं की समस्या को लेकर सहयोग समिति ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। नगर पालिका बांसी और आसपास के क्षेत्रों में छुट्टा पशुओं, गौवंश व सांड़ों की बढ़ती समस्या को लेकर सहयोग समिति बांसी के सदस्यों ने गुरुवार को उप जिलाधिकारी बांसी को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि नगर की सड़कों पर बड़ी संख्या में छुट्टा पशु घूम रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। राहगीरों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं ठेला व छोटे व्यवसाय करने वालों को भी छुट्टा पशुओं के कारण नुकसान और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मामले का संज्ञान लेते हुए एसडीएम बांसी ने शीघ्र विशेष अभियान चलाकर छुट्टा पशुओं को निर्धारित गो-आश्रय स्थलों तक पहुंचाने तथा प्रमुख मार्गों को अवरोध मुक्त कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बांसी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान समाजसेवी प्रमोद कुमार, शुभम सोनी, धीरज रावत, अनिल मौर्य, शरद सोनी, धर्मेंद्र कुमार, मनीष वर्मा सहित सहयोग परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बारावफात, रक्षाबंधन व जन्माष्टमी को लेकर खेसरहा थाने में पीस कमेटी की बैठक

बांसी (सिद्धार्थनगर)। आगामी बारावफात, रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को खेसरहा थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों, जुलूस आयोजकों तथा हिंदू-मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं और मौलवियों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित हुई। इस दौरान थाना पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अजगरा महोत्सव में दिखेगा संस्कृति और आधुनिक जनसंवाद का संगम-डीएम

» 1427 प्रतिनिधियों से शुरू होगी 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' की यात्रा, अंतिम आठ बनेंगे 'अजगरा अष्ट'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अजगरा महोत्सव-2026 की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा को लेकर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय सभागार में पत्रकारों से प्रेसवार्ता की। उन्होने बताया कि हजारों वर्ष पूर्व अजगरा की धरती पर यक्ष और युधिष्ठिर के बीच धर्म, समाज, जीवन और नैतिक मूल्यों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों पर संवाद हुआ था। उसी ऐतिहासिक एवं पौराणिक संवाद परंपरा को वर्तमान समय में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है।महोत्सव का मुख्य आकर्षण अजगरा महान संवाद-2026 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' होगा, जिसमें युवाओं एवं आमजन को समसामयिक सामाजिक विषयों पर अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और तार्किक संवाद करने का अवसर मिलेगा।

जिलाधिकारी ने प्रेसवार्ता में बताया कि 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र से लेकर जिला स्तर तक प्रतिभाओं को अपनी बात रखने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि युवाओं में तार्किक सोच, अभिव्यक्ति की क्षमता और सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि 24 से 26 अगस्त तक ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर प्रतिभागियों का चयन होगा। इसके बाद 29 एवं 30 अगस्त को 17 विकासखंडों एवं 19 नगरीय निकायों के स्तर पर, 2 एवं 3 सितंबर को जोनल महासंवाद तथा 5 सितंबर को जिला स्तरीय महासंवाद आयोजित किया जाएगा। इसी दिन अंतिम आठ प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। 6 से 16 सितंबर तक अंतिम आठ प्रतिभागियों का सार्वजनिक परिचय एवं तैयारी कराई जाएगी तथा 17 सितंबर को अजगरा महान संवाद का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम एवं वार्ड स्तर पर कुल 1427 प्रतिनिधियों के चयन की व्यवस्था की गई है। विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर 36 विजेता, जोनल स्तर पर 16 प्रतिभागी तथा अंतिम चरण में 8 प्रतिभागियों का चयन होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1,01,000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 75,000 रुपये निर्धारित किया गया है।डीएम ने बताया कि अजगरा महोत्सव का आयोजन अजगरा रानीगंज स्थित यक्ष-युधिष्ठिर संवाद स्थल पर 15 से 17 सितंबर तक प्रस्तावित है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि अजगरा महोत्सव एवं 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' के उद्देश्य और कार्यक्रम की जानकारी को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक युवा, विद्यार्थी एवं आमजन इस पहल से जुड़ सकें।

पहली बार बिजली की रोशनी से रोशन हुए तीन ग्रामीण क्षेत्र

आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत लाइन का कार्य पूरा, परिवारों को मिली बिजली की सौगात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के विद्युत सुविधा से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों को बिजली की रोशनी से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत लाइन विस्तार का कार्य पूरा होने के बाद कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में पहली बार बिजली पहुंची है, जहां अब तक परिवार विद्युत सुविधा से वंचित थे। बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत एलओएच (लाइन कार्य) के तहत विकासखंड पचपेड़वा की ग्राम पंचायत पिपरा जमुनी एवं मजरा मोतीहवा, विकासखंड रेहरा बाजार की ग्राम पंचायत रुधौली बुजुर्ग तथा विकासखंड उतरौला की ग्राम पंचायत फतेहपुर के हैदरगढ़ एवं वजीरगंज में विद्युत लाइन का कार्य पूर्ण कर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

घर-घर पहुंची बिजली की रोशनी

विद्युत सुविधा से वंचित इन ग्रामीण क्षेत्रों में पहली बार बिजली पहुंचने के बाद ग्रामीण परिवारों के घर रोशनी से जगमगा उठे हैं। लंबे समय से बिजली का इंतजार कर रहे ग्रामीणों के लिए यह सुविधा किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। बिजली आने से ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी भी आसान होने की उम्मीद है। **बच्चों की पढ़ाई में मिलेगी सहूलियत** विद्युत आपूर्ति शुरू होने से सबसे अधिक लाभ स्कूली बच्चों को मिलने की उम्मीद है। अब बच्चे शाम और रात के समय पर्याप्त रोशनी में पढ़ाई कर सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल चार्जिंग, पंखे, घरेलू उपकरणों तथा अन्य विद्युत संसाधनों के उपयोग में भी ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी। **विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे गांव** ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण से केवल घर रोशन नहीं होंगे, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। बिजली की सुविधा उपलब्ध होने से छोटे कारोबार, घरेलू रोजगार और अन्य दैनिक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं बढ़ेंगी। दूरस्थ एवं अब तक विद्युत सुविधा से वंचित क्षेत्रों को मुख्यधारा की बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विद्युत लाइन का कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली पहुंचने से उनके गांवों के विकास को नई गति मिलेगी और आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर सुविधाओं का रास्ता खुलेगा।

ई-लाटरी के माध्यम से 21 अगस्त को कृषि यन्त्रों के लाभार्थियों का होगा चयन

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि विभाग द्वारा संचालित मैकेनाइजेशन एवं इन-सीटू योजनान्तर्गत समस्त कृषि यंत्रों, कस्टम हायरिंग सेन्टर आदि जिसकी बुकिंग 16 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य जनपद के जिन कृषकों द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर आनलाइन बुकिंग की गयी है उन लाभार्थियों का चयन 21 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे से कृषि भवन प्रतापगढ़ के सभागार कक्ष में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की उपस्थिति में ई-लाटरी के माध्यम से किया जाना है। उन्होने जनपद के समस्त सम्बन्धित कृषकों से अनुरोध किया है कि जिनके द्वारा कृषि यन्त्रों हेतु आनलाइन बुकिंग की गयी है, वह ई-लाटरी हेतु निर्धारित तिथि, स्थान व समय पर उपस्थित रहकर ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों के चयन में सहभागिता करें।

सीडीओ ने पान उत्पादक कृषकों के दल को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन को प्रोत्साहन की योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत जनपद के पान उत्पादक 50 कृषकों के दल को गुणवत्तापूर्ण पान की खेती की तकनीकी जानकारी देने और उनकी उपज को बेहतर बनाने के लिये चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, महोबा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र छतरपुर मध्य प्रदेश सात दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम 20 से 26 अगस्त तक के लिये प्रशिक्षण हेतु जनपद के विकास भवन से मुख्य विकास अधिकारी राममोहन मीना द्वारा बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने पान उत्पादक कृषकों से वार्ता कर कहा कि पान की खेती की तकनीकी जानकारी अच्छे से प्राप्त करें। इस प्रशिक्षण के माध्यम से पान उत्पादकों की उत्पादकता और उपज की गुणवत्ता में सुधार होगा। यह किसानों को पान की खेती से जुड़ी आधुनिक तकनीकों और विधियों से अवगत कराएगा, जिससे उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा, पान उत्पादक कृषक व उद्यान विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लापता महिला को मिशन शक्ति टीम ने डिंडई बाजार से बरामद किया

बांसी (सिद्धार्थनगर)। शिवनगर डिंडई थाना क्षेत्र के मसैचा गांव से घर से बिना बताए निकली 57 वर्षीय महिला को मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डिंडई बाजार से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार महिला की बेटी अंशिका सिंह ने थाने में सूचना दी थी कि उनकी मां पुनिता देवी घर से बिना बताए कहीं चली गई हैं। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम ने खोजबीन शुरू की और काफी प्रयास के बाद लापता महिला को डिंडई बाजार से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में की गई कार्यवाही टीम में अयोध्या यादव, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला एवं महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे शामिल रहीं।

कच्ची पटरी पर अनियंत्रित होकर सीमेंट लदा ट्रक पलटा, टला बड़ा हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज क्षेत्र के ग्राम अटरेहटा स्थित सधई का पुरवा के पास गुरुवार शाम करीब छह बजे दिल्ली से अयोध्या जा रहा सीमेंट लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। गनीमत रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या यूपी 31 बीटी 0401 में सीमेंट लदा हुआ था। ट्रक दिल्ली से अयोध्या की ओर जा रहा था। सधई का पुरवा के पास पहुंचने पर सीमेंट रोड की पटरी कच्ची होने के कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के पलटने से उसमें लदा सीमेंट भी प्रभावित हुआ।

हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और ट्रक चालक के बारे में जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की पक्की पटरी नहीं होने के कारण भारी वाहनों को निकलने में परेशानी होती है और इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क की कच्ची पटरी को जल्द पक्का कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। हादसे में किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, जांच को 10 नमूने लिये गये

प्रतापगढ़। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने गुरुवार को जनपद की विभिन्न तहसीलों में रेस्टोरेंट, डेयरी एवं मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की। चलाए गए अभियान में कुल 10 खाद्य नमूने जांच के लिए लिये गए। खाद्य सचल दल ने धारूपुर राजगढ़ स्थित अरविन्द यादव के प्रतिष्ठान से पनीर एवं मिश्रित दूध के दो नमूने लिए। वहीं विश्वनाथगंज स्थित विश्वनाथ डेयरी से गाय एवं भैंस के दूध के नमूने संग्रहित किए गए। जम्हुआ कटरा गुलाब सिंह संतोष यादव के प्रतिष्ठान पर 01 मिश्रित दूध का नमूना, हैंसी कटरा गुलाब सिंह विनोद यादव के प्रतिष्ठान पर 01 मिश्रित दूध का नमूना एवं सराय ताराचन्द्र स्थित आलोक यादव के प्रतिष्ठान से 01 मिश्रित दूध के नमूने संग्रहित किये गये। इसी क्रम में सरजू नगर कुण्डा स्थित बेंगाली भाई मिष्ठान भण्डार का निरीक्षण किया गया, यहां पनीर के अवमानक होने के संदेह में नमूना लिया गया तथा प्रतिष्ठान में करीब 15 लीटर मिश्रित दूध अस्वच्छ परिस्थितियों में भण्डारित पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 600 रुपये थी। टीम ने दूध को मौके पर ही नष्ट करा दिया। सरजू नगर कुण्डा स्थित सुरेश स्वीट्स के प्रतिष्ठान से पनीर तथा रानीगंज स्थित मनोहर स्वीट्स के प्रतिष्ठान से खोया का नमूना भी संग्रहित किया गया। इसके अलावा मंगरौरा पट्टी स्थित मून लाइट रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया गया।

प्रधान शिक्षक की कथित अनियमित उपस्थिति से शर्माफा बस्ती एलपी स्कूल की व्यवस्था सवालों में

मिड-डे मील और बिजली सुविधा को लेकर भी शिकायतें, अभिभावकों ने निष्पक्ष जांच की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के अंतर्गत कालामागुरा गांव के निकट स्थित शर्माफा बस्ती एलपी स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को लेकर स्थानीय अभिभावकों तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने कई गंभीर शिकायतें उठाई हैं। प्रधान शिक्षक की कथित अनियमित उपस्थिति, मिड-डे मील के नियमित संचालन पर सवाल तथा विद्यालय में बिजली कनेक्शन नहीं होने को लेकर अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से तत्काल जांच की मांग की है। प्रधान शिक्षक की उपस्थिति पर सवाल स्थानीय अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय के प्रधान शिक्षक राजेश गोर नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित नहीं रहते। उनका कहना है कि शिक्षक की कथित अनियमित उपस्थिति का असर सीधे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। अभिभावकों के अनुसार, विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। ऐसे में शिक्षक की नियमित उपस्थिति से पठन-पाठन सुचारु रूप से संचालित किया जा सकता है। लेकिन कथित गैरहाजिरी के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की आशंका है। मिड-डे मील को लेकर भी शिकायत विद्यालय में संचालित मिड-डे मील योजना को लेकर भी अभिभावकों ने शिकायत की है। उनका दावा है कि सरकारी प्रावधान के तहत मध्याह्न भोजन के लिए सामग्री उपलब्ध कराए जाने के बावजूद विद्यार्थियों को नियमित रूप से भोजन नहीं मिल रहा है। कुछ अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में मिड-डे मील का नियमित वितरण नहीं किया जाता। उन्होंने पूरे मामले की सरजमीनी जांच की मांग करते हुए संबंधित विभाग से खाद्य सामग्री की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और रिकॉर्ड की जांच करने की अपील की है। प्रबंधन समिति को नजरअंदाज करने का आरोप विद्यालय प्रबंधन समिति के कुछ सदस्यों का आरोप है कि विद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक मामलों में समिति को अपेक्षित महत्व नहीं दिया जा रहा है। प्रधान शिक्षक की उपस्थिति तथा विद्यालय की व्यवस्था को लेकर शिकायत किए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का भी आरोप लगाया गया है। बिजली कनेक्शन नहीं होने से परेशानी विद्यालय में बिजली कनेक्शन नहीं होने को लेकर भी अभिभावकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली की सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब सरकार ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है, तब एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय अभी तक बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित क्यों है। शिक्षा विभाग से तत्काल निरीक्षण की मांग लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच अभिभावकों ने रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के अधिकारियों से विद्यालय का तत्काल निरीक्षण करने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रधान शिक्षक की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, मिड-डे मील व्यवस्था, विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका और बिजली कनेक्शन समेत सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

अभिभावकों का कहना है कि सरकार दूरदराज क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पाठ्यपुस्तक, स्कूल ड्रेस, मिड-डे मील और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। ऐसे में यदि जमीनी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो उसका सीधा असर विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य पर पड़ सकता है।

लाल बंगला में कपड़े के शोरुम में लगी आग, आग से लाखों का माल जल कर हुआ राख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पूर्वी जोन कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र स्थित लालबंगला मार्केट में आज सुबह एक रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में भीषण आग लग गई। आग से दुकान में रखे ब्रांडेड कपड़े, महंगे परफ्यूम और एसी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग की घटना से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। श्यामनगर निवासी दुकान संचालक प्रिंस गुप्ता के अनुसार उनकी दुकान 'ट्रेंडजिल्ला' लालबंगला की सब्जी मंडी में है। वह रोजाना की तरह बुधवार की रात दुकान बंद करके घर चले गए थे। दो दिन पहले ही उन्होंने ब्रांडेड कपड़ों का नया स्टॉक मंगवाया था। आज सुबह मकान मालिक आदित्य वर्मा ने धुआं निकलने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंचने पर दुकान के अंदर आग भड़क चुकी थी और चारों तरफ धुआं भरा हुआ था। प्रिंस ने बताया कि शटर खोलते ही आग की तेज लपटें बाहर निकलने लगीं, जिससे दुकान का सामान तेजी से जलने लगा। दुकान संचालक प्रिंस गुप्ता ने आरोप लगाया कि दमकल विभाग को सूचना देने के लगभग एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उनके अनुसार, दमकल के पहुंचने में हुई देरी के कारण आग को फैलने का अधिक समय मिल गया, जिससे दुकान के अंदर रखा सामान बड़े पैमाने पर नष्ट हो गया। प्रिंस गुप्ता ने इस घटना में लगभग 50 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। सूचना मिलते ही जाजमऊ अग्निशमन केंद्र से दो फायर टैंकर और एक हाई-प्रेशर यूनिट मौके पर पहुंची। अग्निशमन टीम ने आग को दुकान के अन्य हिस्सों और आसपास की दुकानों तक फैलने से रोकने के लिए मोर्चा संभाला और काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि इस घटना में किसी व्यक्ति के झुलसने या जनहानि की कोई सूचना नहीं है। आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। फायर अधिकारी राहुल नंदन ने पुष्टि की है कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

स्वैच्छिक रक्तदान में योगदान के लिए धर्मवीर गर्ग और ईश्वर बंसल सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। पंजाब सरकार की ओर से चंडीगढ़ स्थित पंजाब म्युनिसिपल भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3090 के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर धर्मवीर गर्ग और रोटरी क्लब भवानीगढ़ सिटी के पूर्व अध्यक्ष ईश्वर बंसल को स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वैच्छिक रक्तदान अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। समारोह में प्रदेशभर से करीब 50 लोगों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग पंजाब के कुमार राहुल, आईएएस, पंजाब राज्य रक्त आधान परिषद की निदेशक साक्षी साहनी, आईएएस, पीजीआई चंडीगढ़ के रक्त बैंक निदेशक डॉ. रत्ती राम शर्मा समेत स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब ने स्वैच्छिक रक्तदान का करीब 80 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि में सामाजिक संगठनों और स्वैच्छिक रक्तदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भविष्य में भी संस्थाओं से सहयोग जारी रखने की अपील की। उन्होंने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रोटरी क्लब भवानीगढ़ सिटी की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। समारोह के दौरान तकनीकी कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें रक्तदान शिविरों के बेहतर आयोजन, रक्तदाताओं की देखभाल के नए प्रोटोकॉल, रक्तदान की पात्रता एवं अंतराल तथा रक्तदाताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। सम्मान प्राप्त करने के बाद धर्मवीर गर्ग और ईश्वर बंसल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणादायक है, लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि दुर्घटना, थैलेसीमिया, प्रसव या अन्य आपात स्थिति में मरीज और उसका परिवार पहले ही कठिन दौर से गुजर रहा होता है। ऐसे में समय पर रक्त उपलब्ध न होने से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।

जालंधर में महिला सुरक्षा की समीक्षा, सशक्तिकरण की पहलों को मिली दिशा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने 18 अगस्त को जालंधर का दौरा कर महिला सुरक्षा, संस्थागत जवाबदेही, आर्थिक सशक्तिकरण, डिजिटल समावेशन और युवतियों के लिए रोजगार एवं करियर के अवसरों की समीक्षा की। राहटकर ने वरिष्ठ जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में समयबद्ध कार्रवाई, कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने, संस्थागत जवाबदेही तथा महिलाओं से संबंधित कानूनों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम-2013 (पॉश) का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समिति का प्रभावी संचालन, नियमित जागरूकता कार्यक्रम और सरल शिकायत निवारण व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कल्याण का विषय नहीं, बल्कि सुशासन का महत्वपूर्ण आधार है। रेड क्रॉस सभागार में उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी करीब 100 महिलाओं से संवाद किया। कृषि, डेयरी, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्यमों से जुड़ी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। आयोग ने महिलाओं को डिजिटल पहचान, उत्पाद की पैकेजिंग, प्रस्तुतीकरण और बाजार तक पहुंच मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। रहाटकर ने कहा कि महिलाएं केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की महत्वपूर्ण वाहक हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोग की 'यशोदा एआई' पहल के तहत महिलाओं के डिजिटल सशक्तिकरण और उभरती तकनीकों में उनकी भागीदारी बढ़ाने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। रहाटकर ने कहा कि महिलाओं को केवल तकनीक का उपयोग करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नेतृत्व, नवाचार और नए अवसरों के लिए तैयार होना चाहिए। हंस राज महिला महाविद्यालय में आयोग की ओर से 'शी सर्व्स' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवतियों को सशस्त्र सेनाओं में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना था। कर्नल रश्मि नारायण और लेफ्टिनेंट सोनिया महेंद्रा ने छात्राओं को सशस्त्र सेनाओं में भर्ती एवं करियर के अवसरों की जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से पंजाब की सांस्कृतिक विरासत भी प्रस्तुत की। आयोग ने 'नशे की लत का खतरा–महिलाओं पर बढ़ता बोझ' विषय पर कार्यक्रम भी आयोजित किया। इसमें नशे की लत से महिलाओं और परिवारों पर पड़ने वाले भावनात्मक, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों तथा रोकथाम के लिए समुदाय आधारित संवेदनशील दृष्टिकोण की आवश्यकता पर चर्चा की गई। जालंधर दौरे के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिला सुरक्षा, सम्मान, आर्थिक आत्मनिर्भरता, डिजिटल समावेशन और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीभूमि जिले के शुगार मिल सीआरपीएफ कैंप के सामने लगातार चोरी, पुलिस पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के शुगार मिल सीआरपीएफ कैंप के ठीक सामने लगातार चोरी की घटनाओं से जिले के राताबाड़ी शुगार मिल इलाके में चिंता बढ़ती जा रही है। ईस बार चोरों ने एक पत्रकार के घर को निशाना बनाया। घर से बिजली का मोटर चोरी कर चोर फरार हो गए। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस प्रशासन की कथित निष्क्रियता को लेकर आम लोगों के मन में भी सवाल उठने लगे हैं। श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी थाना क्षेत्र के शुगर मिल सीआरपीएफ कैंप के सामने भैरवबाड़ी इलाके में एक बार फिर चोरी की घटना सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कैंप के सामने ही बार-बार चोरी की घटनाएं होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपेक्षित कदम नजर नहीं आ रहे हैं। इससे आम लोगों में चिंता के साथ-साथ प्रशासन की भूमिका को लेकर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। इस बार चोरों के निशाने पर पत्रकार राशिद अहमद का घर रहा। मंगलवार देर रात उनके घर में घुसकर चोरों ने एक बिजली का मोटर खोलकर चोरी कर लिया।

बताया गया है कि करीब चार वर्षों से यह मोटर घर में लगा हुआ था और अब तक किसी तरह की परेशानी नहीं हुई थी। लेकिन मंगलवार देर रात अचानक चोरों ने मोटर खोलकर उसे चुरा लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में चोरी की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। कुछ दिन पहले सीआरपीएफ कैंप के सामने ही मनोरंजन राय के घर से ट्यूबवेल का नल चोरी हो गया था। इसके बाद फरीज़ मेंबर के घर से भी नल चोरी होने की शिकायत सामने आई। इसके अलावा शुगर मिल बाजार में सीआरपीएफ कैंप के पास हेलाल की दुकान का ताला तोड़कर सामान चोरी किए जाने की घटना भी सामने आ चुकी है। एक के बाद एक सामने आ रही इन घटनाओं से इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि सीआरपीएफ कैंप जैसी महत्वपूर्ण जगह के ठीक सामने भी चोर बेखौफ होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित है? लगातार घटनाओं के बावजूद पुलिस प्रशासन की ओर से प्रभावी निगरानी और कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही– इसे लेकर भी लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इलाकावासियों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने, नियमित निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की मांग की है। लोगों का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर जल्द रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस बीच, मोटर चोरी की घटना को लेकर पत्रकार राशिद अहमद ने राताबाड़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। स्थानीय लोगों ने सभी चोरी की घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों की जल्द पहचान करने और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यही है सीआरपीएफ कैंप के सामने भी यदि चोर सुरक्षित तरीके से चोरी को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ की ग्रांट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर। चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए पंजाब सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपये की ग्रांट जारी की गई है। इस संबंध में विधायक डॉ. इशांक कुमार ने होशियारपुर स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कार्यालय में अधिकारियों, सरपंचों, पंचों और गांवों के अन्य प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। विधायक डॉ. इशांक कुमार ने कहा कि गांवों में लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। प्रत्येक गांव तक विकास पहुंचना चाहिए और विकास कार्य स्थानीय लोगों की जरूरतों एवं प्राथमिकताओं के अनुसार किए जाने चाहिए। बैठक में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) संदीप सिंह, बीडीपीओ माहिलपुर कंवलजीत सिंह और बीडीपीओ होशियारपुर-2 पलविंदर सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विधायक ने बताया कि 5 करोड़ रुपये की ग्रांट से गांवों में गलियों, नालियों और सीवरेज, स्टेडियम, खेल मैदान, धर्मशाला, सामुदायिक भवन, पार्क, झूले, खुले व्यायाम स्थल, तालाबों की घेराबंदी, पुलिया और पेयजल के लिए नलकूप सहित अन्य जरूरी विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा गांवों में पुस्तकालय और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण पर भी ध्यान दिया जाएगा। बैठक में विभिन्न गांवों में प्रस्तावित विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपलब्ध धनराशि का उपयोग ऐसे कार्यों पर प्राथमिकता से किया जाए, जिनका सीधा लाभ ग्रामीणों को मिले। उन्होंने कहा कि गांवों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। डॉ. इशांक कुमार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 5 करोड़ रुपये की यह ग्रांट चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों को गति देगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों की सेवा करने का अपना वादा दोहराते हुए कहा कि वह पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी से चब्बेवाल के लोगों की सेवा करते रहेंगे।

25 अगस्त को लगेगा वृहद रोजगार मेला, सुबह 10 बजे से होगा आयोजन

टूण्डला- जिला सेवायोजन कार्यालय, फिरोजाबाद एवं राम सिंह महाविद्यालय, नगला सिकन्दर, एटा रोड, टूण्डला के संयुक्त तत्वावधान में 25 अगस्त 2026 को एक दिवसीय निःशुल्क वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला प्रातः 10 बजे से राम सिंह महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। जिला सेवायोजन अधिकारी खुशबू शाक्य ने बताया कि रोजगार मेले में देश एवं प्रदेश की विभिन्न कंपनियों के नियोजकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। कंपनियों के प्रतिनिधि बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उनकी योग्यता के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी करेंगे। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए बेरोजगार अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क होगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं।रोजगार मेले में साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को अपना पंजीयन कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र, फोटो/आईडी तथा रिज्यूम साथ लाना आवश्यक होगा। विभाग की ओर से युवाओं से अपील की गई है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ रोजगार मेले में पहुंचकर विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पुलिस को दिया शिकायती पत्र

कोंच(जालौन)- समाज के प्रति सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के एक मामले में सभासद ने साथियों संग मिलकर कोतवाली में शिकायती पत्र देकर टिप्पणी करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग की है। नगर पालिका सभासद महेंद्र कुशवाहा सहित विशाल, प्रेमसिंह, उमेश, असित, नवीन आदि ने कोतवाली पुलिस को दिए अपने शिकायती पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर ग्राम कासिमपुर रहावली के कुछ लोगों ने कुशवाहा समाज के प्रति अभद्र एवं जातिसूचक भाषा का प्रयोग करते हुए टिप्पणी की हैं जो निंदनीय ही। इन टिप्पणियों के चलते समाज के लोग आहत हुए हैं, साथ ही सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

412 एकड़ जलभराव प्रभावित जमीन बनी खेती योग्य, किसानों को मिली बड़ी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फाजिल्का। फाजिल्का जिले में जलभराव की समस्या से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत मिली है। पंजाब सरकार की ओर से खुइयां सरवर गांव में 7.78 करोड़ रुपये की लागत से दो भूमिगत जल निकासी परियोजनाएं पूरी कर 412 एकड़ जमीन को जलभराव से मुक्त कर फिर से खेती योग्य बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने खुइयां सरवर और नकेरिया गांवों का दौरा कर किसानों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। खुइयां सरवर में पहली परियोजना पर 5.38 करोड़ रुपये खर्च कर 327 एकड़ भूमि से जलभराव की समस्या दूर की गई। वहीं दूसरी परियोजना के तहत 2.40 करोड़ रुपये की लागत से 85 एकड़ जमीन को खेती योग्य बनाया गया। दोनों परियोजनाओं का काम मई 2026 में शुरू हुआ था। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि फाजिल्का के किसानों के लिए जलभराव लंबे समय से गंभीर समस्या रही है। सरकार अस्थायी समाधान के बजाय वैज्ञानिक और स्थायी समाधान पर जोर दे रही है। भूमिगत जल निकासी प्रणाली के माध्यम से जमीन से अतिरिक्त पानी निकालकर उसे दोबारा उपजाऊ और खेती योग्य बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसान की जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उसकी आय, आजीविका और भविष्य का आधार है। इसलिए जलभराव प्रभावित जमीन को दोबारा खेती योग्य बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मंत्री ने बताया कि नकेरिया गांव में 6.91 करोड़ रुपये की लागत से एक और भूमिगत जल निकासी परियोजना पर काम चल रहा है। इसके पूरा होने से करीब 250 एकड़ जलभराव प्रभावित जमीन को राहत मिलेगी। इस परियोजना का काम भी मई 2026 में शुरू हुआ था। गोयल ने कहा कि पंजाब सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सड़क, सिंचाई, जल निकासी, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास परियोजनाएं चला रही है। सरकार का उद्देश्य ऐसी बुनियादी सुविधाएं विकसित करना है, जिनका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिले। उन्होंने कहा कि खुइयां सरवर की 412 एकड़ जमीन को जलभराव से मुक्त कर खेती योग्य बनाना किसानों की आय और कृषि व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।